हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 19 | प्रयागराज, बुधवार 19 अप्रैल , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

बिलकिस बानों के दोषियों की रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई गुजरात सरकार को फटकार, कहा, सत्ता का अवैध प्रयोग ना हो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो की याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि आखिर आपको इस बात ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी सत्ता का अवैध प्रयोग ना हो। कोर्ट ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है जहां एक गर्भवती महिला के साथ गैंगरेप किया गया और उसके सात रिश्तेदारों की हत्या कर दी गई। हमने आपको (गुजरात सरकार) सभी रिकॉर्ड पेश करने के लिए कहा था। हम जानना चाहते हैं कि क्या आपने अपना विवेक लगाया है। अगर हां तो बताएं कि आपने किस सामग्री को रिहाई का आधार बनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हम केवल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि शक्ति का वास्तविक प्रयोग हो। सत्ता का कोई अवैध प्रयोग न हो। जिस तरह से अपराध किया गया था वह भयानक है। बता दें कि बिलकिस बानो ने याचिका में गुजरात सरकार पर अपने मामले के दोषियों को समय से पहले रिहा करने का आरोप लगाया था। उन्होंने अपनी याचिका में 11 दोषियों को रिहा किए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है। सुनवाई के दौरान केंद्र और गुजरात सरकार की ओर से ।ळ ैट राजू ने कहा कि हम उस आदेश पर पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं, जिसमें हमें इस अदालत द्वारा जारी की गई फाइलें पेश करने के लिए कहा गया है। हम रिव्यू दाखिल कर रहे हैं। हमने फाइल पेश करने के लिए समय भी मांगा है। ये सरकार का विशेषाधिकार है। एसवी राजू ने कहा कि 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक दुष्कर्म और परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने के मामले में राज्य सरकार के 11 दोषियों की सजा में छूट देने के फैसले के खिलाफ भी एक याचिका दायर की है। जिसमें उन्होंने कहा कि दुष्कर्म के दोषियों की समय से पहले रिहाई ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने भी रिहाई पर सवाल उठाए थे। क्या रिहाई देने के लिए गुजरात सरकार का अधिकार क्षेत्र था ? किस अधिकार क्षेत्र के तहत गुजरात ने रिहाई की ? क्या अदालत ऐसे निकाय को रिहाई पर विचार करने को कह सकती है जिसका अधिकार क्षेत्र ना हो ? हम इन सब पहलुओं पर विचार करेंगे। कोर्ट ने आगे कहा कि दोषी करार दिए गए हर शख्स को एक हजार दिन से अधिक का पैरोल मिला है। हमारा मानना है कि जब आप शक्ति का प्रयोग करते हैं तो उसे जनता की भलाई के लिए किया जाना चाहिए। चाहे आप जो भी हों, आप कितने भी ऊंचे क्यों ना हों, भले ही राज्य के पास विवेक हो? यह जनता की भलाई के लिए होना चाहिए. ऐसा करना एक समुदाय और समाज के खिलाफ अपराध है। कोर्ट ने गुजरात से सरकार से पूछा कि दोषियों की रिहाई करके आप क्या संदेश दे रहे हैं ? आप सेब की तुलना संतरे से कैसे कर सकते हैं? इतना ही नहीं आप एक व्यक्ति की हत्या की तुलना कई लोगों के सामूहिक हत्या से कैसे कर सकते हैं? कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि बार बार कहने के बावजूद गुजरात सरकार उम्रकैद के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के दस्तावेज रिकॉर्ड हमारे सामने नहीं ला रही है। यदि आप हमें फाइल नहीं दिखाते हैं तो हम अपना निष्कर्ष निकालेंगे। साथ ही यदि आप फाइल प्रस्तुत नहीं करते हैं, तो आप कोर्ट की अवमानना कर रहे हैं।

हिमाचल के चार दिन के प्रवास पर शिमला पहुंची राष्ट्रपति मुर्मू

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज हिमाचल के चार दिवसीय प्रवास पर शिमला पहुंच गई हैं। वह छराबड़ा स्थित कल्याणी हैलीपैड पर हैलीकॉप्टर से हिमाचल प्रवास पर पहुंची। राष्ट्रपति शिमला के निकट मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास रिट्रीट में ठहरी हैं। राष्ट्रपति के प्रवास को लेकर रिट्रीट से लेकर प्रदेश विश्वविद्यालय तक सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। जिला प्रशासन ने राष्ट्रपति के दौरे के दृष्टिगत आम लोगों के लिए बाकायदा एडवाइजरी भी जारी की है। राष्ट्रपति के दौरे के दृष्टिगत 19 अप्रैल को कैनेडी चौक से बालुगंज सड़क यातायात के लिए बंद रहेगी। उपायुक्त शिमला की ओर से जारी आदेशों के अनुसार इस सड़क पर सुबह 10 बजे से सांय 5 बजे तक सभी प्रकार के वाहनों का यातायात बंद रहेगा। आपातकाल वाहनों पर ये नियम लागू नहीं होंगे। द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार शिमला प्रवास पर पहुंची हैं। शिमला पहुंचने के एक दिन बाद कल 19 अप्रैल को वह प्रदेश विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगी। राष्ट्रपति 10 मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित करेंगी।

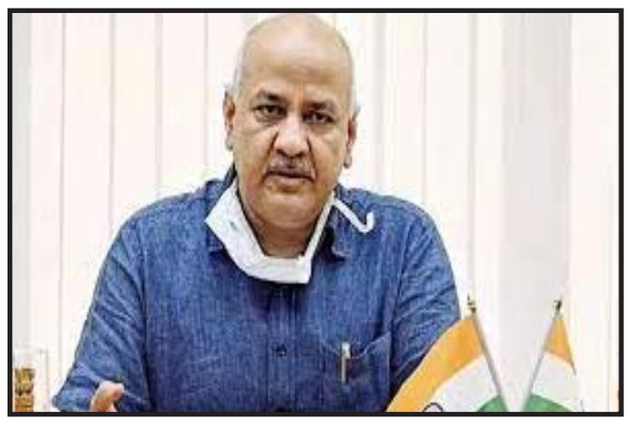

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुरक्षित, दिल्ली की कोर्ट 26 अप्रैल को सुनाएगी आदेश

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बहस पूरी होने के बाद जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी। इससे पहले 24 अप्रैल को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर भी दिल्ली कोर्ट में बहस होगी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत सीबीआई मामले में 27 अप्रैल तक और ईडी मामले में 29 अप्रैल तक बढ़ाई है। कोर्ट में ईडी के वकीलों ने कहा कि अप्रैल के अंत तक मनीष सिसोदिया, अमनदीप सिंह ढाल और अरुण रामचंद्र पिल्लई के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी। मनीष सिसोदिया के वकील ने कहा ईडी का काम ये बताना नहीं है जीओएम और कैबिनट में क्या हुआ? ईडी को ये बताना चहिए कि अगर कोई अपराध हुआ है तो इससे किसको फायदा पहुंचा है। सिसोदिया के वकील ने कहा कि सिर्फ अनुमानों के आधार पर सिसोदिया को हिरासत में नहीं रखा जा सकता है। उनके खिलाफ कोई मनी लांड्रिंग का मामला नहीं बनता है। सिसोदिया के वकील ने कहा क्या कोर्ट ये कह सकता है कि टेंडर के लिए लॉटरी क्यों निकाली गई? टेंडर के लिए बोली क्यों नहीं लगाई गई? अगर पूर्व उप मुख्यमंत्री ने किसी अधिकारी से कानून के अनुसार काम करने को कहा था, तो इसमें अपराध कहां से हो गया। पूर्व डिप्टी सीएम के वकील ने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटर मार्जिन पर कोई कैप नहीं था, जिसको कम करके 12: किया गया। प्रॉफिट मार्जिन पर 12: का कैप लगाया गया, 5: न्यूनतम कैप था। रवि धवन ब्यूरोक्रेट है, वो कोई भारत के राष्ट्रपति नहीं हैं। रवि धवन के कई सुझावों को हमने शामिल किया, कुछ को हमने स्वीकार नहीं भी किया। इससे पहले सोमवार को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने इस मामले में सीबीआई और ईडी की ओर से दायर भ्रष्टाचार और धनशोधन मामलों में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ा दी थी। सीबीआई मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 27 अप्रैल तक और ईडी मामले में 29 अप्रैल तक बढ़ा दी गई थी। मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को करीब सात घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। बाद में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

ओम बिरला बोले, जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध भारत का संघर्ष पूरे विश्व को परिवार के रूप में जोड़ेगा

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि जी–20 समूह की भारत की अध्यक्षता का आदर्श वाक्य 'एक पश्थ्वी, एक परिवार, एक भविष्य है और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध भारत का संघर्ष संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में जोड़गा। बिरला ने डेनमार्क की यूरोपीय मामलों पर संसदीय समिति के अध्यक्ष नील्स फ्लेमिंग हैनसेन के नेतश्त्व में आए शिष्टमंडल का संसद भवन में स्वागत करते हुए यह बात कही। लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, बिरला ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है और डेनमार्क की तरह एक जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र भी है। बिरला ने कहा कि दोनों देश शांति, लोकतंत्र और मानवधिकारों का समर्थन करते हैं और ऐसे में दोनों देशों के बीच नियमित संवाद होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत और डेनमार्क के बीच चर्चा–संवाद की एक नियमित प्रक्रिया विकसित होनी चाहिए ताकि एक दूसरे के लोकतंत्र से सीख सकें और अपनी श्रेष्ठ बातों को साझा कर सकें। बिरला ने 2021 में डेनमार्क के प्रधानमंत्री के भारत दौरे और पिछले वर्ष भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डेनमार्क दौरे का जिक्र भी किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, "जी–20 समूह की भारत की अध्यक्षता का आदर्श वाक्य 'एक पश्थ्वी, एक परिवार, एक भविष्य है और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध भारत का संघर्ष संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में जोड़गा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डेनमार्क और भारत की लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता अंतराष्ट्रीय मंचों पर एक सुदृढ़ साझेदारी को बल देगी। उन्होंने सितंबर 2020 में भारत और डेनमार्क के बीच शुरू हुई हरित रणनीतिक साझेदारी का जिक्र करते हुए कहा कि इस साझेदारी ने दोनों देशों के बीच समन्वय को बेहतर बनाया है। बिरला ने कहा कि आज जब भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है तथा वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी मुद्दों, व्यापारिक एवं आर्थिक संबंधों, शोध एवं नवाचार, दोनों देशों के लोगों के बीच सुदृढ़ संपर्क जैसे परस्पर हित के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच साझेदारी और सहयोग की पर्याप्त संभावनाएं हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में इस साझेदारी से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में बढ़ोतरी होगी।

नोएडा में 24 घंटे में कोरोना के 129 नए केस

नोएडा। नोएडा में 24 घंटे में 129 कोरोना के नए केस सामने आए हैं। वहीं 73 मरीज ठीक हुए हैं। एक्टिव मरीजों की संख्या 689 हो गई है। कुल 30 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। 24 घंटे में जांच के लिए 2273 सैंपल लिए गए। सीएमओ का कहना है कि जांच का दायरा और बढ़ाया जाएगा। यहां मिलने वाले अधिकतर मामले एक्सबीबी.1.16 वैरिएंट के हैं। हालांकि मरीजों में इस वैरिएंट के गंभीर लक्षण नहीं दिख रहे हैं। लेकिन, ये वैरिएंट म्यूटेट कर सकता है। अस्पतालों में फीवर के मरीजों की अलग से ओपीडी है। इन मरीजों की जांच भी की जा रही है। इसके अलावा अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की एंटीजन जांच की जा रही है ताकि यहां भर्ती होने वाले मरीजों में संक्रमण न फैले। सीएमओ ने सभी निजी अस्पतालों और लैब को निर्देश दिए हैं कि वो स्वास्थ्य विभाग को रिपोर्ट भेजें। नए मरीजों की कॉन्ट्रैक्ट ट्रैसिंग की जा रही है। इन सभी मरीजों के नमूने जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे जा रहे हैं ताकि रिपोर्ट में ये देखा जा सके कि वैरिएंट अपना रूप तो नहीं बदल रहा है। सीएमओ ने बताया कि जांच का दायरा करीब एक हजार और बढ़ाया जाएगा।

कर्नाटकः मुस्लिम आरक्षण खत्म करने के खिलाफ याचिकाएं, सुप्रीम कोर्ट ने 25 अप्रैल तक टाली सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में मुसलमानों का चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई मंगलवार को 25 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। इसकी प्रमुख वजह यह रही कि राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से वक्त मांग लिया। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने कहा कि 13 अप्रैल को राज्य सरकार की ओर से दिए गए इस आश्वासन पर 25 अप्रैल तक रोक रहेगी जिसमें कहा गया था कि शिक्षण संस्थानों में प्रवेश और सरकारी नौकरियों में नियुक्ति में लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों को आरक्षण का कोई लाभ नहीं दिया जाएगा। इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें समलैंगिक विवाह पर संविधान पीठ के समक्ष बहस करनी है और वे सप्ताहांत में आरक्षण के मुद्दे पर जवाब संकलित करेंगे। आरक्षण को चुनौती देने वाले कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने राज्य सरकार के आग्रह पर कोई ऐतराज नहीं जताया और कहा कि सप्ताहांत तक जवाब दे दिया जाए ताकि वे 25 अप्रैल को सुनवाई की अगली तारीख से पहले इसका अध्ययन कर सकें। पीठ ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 25 अप्रैल की तारीख मुकर्रर की। उच्चतम न्यायालय ने 13 अप्रैल को कहा था कि मुसलमानों के चार प्रतिशत आरक्षण को खत्म करने का कर्नाटक सरकार का फैसला प्रथम दृष्टया "त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है। कर्नाटक में बसवराज बोम्मई की सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म करने का फैसला किया था। राज्य में 10 मई को चुनाव हैं। कर्नाटक सरकार ने पीठ को आश्वासन दिया था कि मामले की अगली सुनवाई तक 24 मार्च के सरकारी आदेश के आधार पर कोई नियुक्ति और दाखिला नहीं दिया जाएगा। मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को दो समुदायों के बीच समान रूप से विभाजित किया जाना था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि उसके सामने पेश किए गए रिकॉर्ड से ऐसा प्रतीत होता है कि कर्नाटक सरकार का फैसला "पूरी तरह से गलत धारणा पर आधारित है। शीर्ष अदालत ने पहले राज्य सरकार और वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए 17 अप्रैल तक का समय दिया था।

बिल्डिंग गिरने से 4 प्रवासी मजदूरों की मौत, 20 घायल, 2 गंभीर

करनाल। अलसुबह तरावड़ी रेलवे फ्लाईओवर के नजदीक स्थित शिव शक्ति राइस मिल की 3 मंजिला इमारत गिरने से 4 प्रवासी मजदूरों की मलबे में दबने से मौत हो गई जबकि 20 घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन सहित रेस्क्यू की टीमें मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर दिए। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से तरावड़ी व कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। घायलों में 2 मजदूरों की स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया। हादसा उस वक्त हुआ, जब करीब 157 मजदूर बिल्डिंग में मजदूर सो रहे थे। घटना अल सुबह 3 बजकर 5 मिनट की बताई जा रही हैं, उस वक्त अचानक से 3 मंजिला इमारत भरभरा कर नीचे गिर गई। जिससे अफरा–तफरी मच गई, चिल्लाने की आवाजें सुनाई देने लगी। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल, दमकल विभाग व एबुलेंस की गाड़ियां पहुंची। टीमों द्वारा मलबे में दबे मजूदरों को निकालने का काम शुरू हुआ, एक के बाद एक मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला। इनमें से 4 मजदूरों की हालात की बेहद गंभीर थी, जिन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में अवधेश (20) पुत्र हरीश किशन महतो, चंदन (22) पुत्र नारायण, संजय (24) पुत्र धुम्मन महतो, पंकज (25) शामिल है। जबकि 2 मजदूर छोटू पुत्र गुल्लट व देवधर पुत्र फुलकेश की हालत गंभीर होने पर उन्हें पी.जी.आई. रोहतक का रैफर कर दिया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। एसडीएम करनाल अभिनव ने बताया कि हादसे में मरने वाले मजदूरों के परिजनों को प्रत्येक को 8–8 लाख रुपए ओर घायलों को 1–1 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। मौके पर नीलोखेड़ी विधायक धर्मपाल गोंदर, पूर्व विधायक भगवान दास कबीरपंथी, डीसी अनीश यादव, एसपी शंशाक कुमार, डीएसपी गौरव फौगाट, डीडीपीओ राजबीर, बीडीपीओ नरेंद्र सहित अन्य अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। डीसी अनीश यादव ने कहा कि हादसा बहुत दुखद हैं। इसमें 4 मजदूरों की मौत हुई है जबकि 20 घायल हुए हैं। जिनका इलाज चल रहा है। जिस वक्त हादसा हुआ, उस वक्त बिल्डिंग में 150 मजदूर सो रहे थे, जो अन्य खिड़कियों आदि से किसी तरह से निकल गए। उन्होंने कहा कि हादसे के पीछे क्या कारण रहे हैं, इस पर कहा कि ऐसा लग रहा है बिल्डिंग अनसेफ हैं। बिल्डिंग क्यों गिरी, इसकी जांच के लिए 5 सदस्यीय टीम गठित की है, जिसकी अध्यक्षता एसडीएम करनाल अभिनव द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिल्डिंग के मालिक के खिलाफ जो कानूनी कार्यवाही होगी, वो की जाएगी। हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, एक के बाद मजदूरों के परिजन मौके पर पहुंच गए। जिन्हें संभालने के लिए पुलिस ने कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। राहत कार्य प्रभावित न हो, इसे देखते हुए किसी को भी घटनास्थल के पास नहीं जाने दिया। लेबर ठेकेदार रामदेव मेहतो वासी जिला समस्तीपुर ने पुलिस को शिकायत दी है 250 से अधिक मजदूर काम करते हैं, जो काम करने के बाद मिल के लेबर रूमों में सो जाती हैं। मिल के सामने रसोई घर व बाथरूम बना हुआ हैं, जिसका सारी पानी दीवार के अंदर जाता हैं।

क्या अडाणी समूह को फायदा पहुंचाने के लिए धारावी परियोजना की टेंडर की शर्तों को बदला गया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मुंबई के धारावी क्षेत्र के पुनर्विकास की परियोजना को लेकर मंगलवार को सवाल किया कि क्या अडाणी समूह को फायदा पहुंचाने के लिए इसकी निविदा के नियम एवं शर्तों में बदलाव किया गया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि नियम एवं शर्तों में बदलाव के कारण पहले सफल बोली लगाने वाले कंपनी बोली की प्रक्रिया से बाहर हो गई और निविदा अडाणी समूह को मिल गई। अमेरिकी संस्था 'हिंडनबर्ग रिसर्च की कुछ सप्ताह पहले आई रिपोर्ट में अडाणी समूह पर अनियमितता के आरोप लगाए गए थे और इसके बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर लगातार हमले कर रही है। अडाणी समूह ने सभी आरोपों को निराधार बताया था। रमेश ने एक बयान में कहा, "जब 2018 के नवंबर महीने में निविदा जारी की गई थी तब दुबई स्थित सेकलिंक टेक्नॉलॉजी कॉर्पोरेशन ने अपनी प्रतिस्पर्धा करने वाली कंपनी अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर को पीछे छोड़ते हुए 7,200 करोड़ रुपये की सबसे अधिक बोली लगाई थी। रेलवे से संबंधित भूमि के हस्तांतरण से संबंधित मुद्दों के कारण उस निविदा को 2020 के नवंबर में रद्द कर दिया गया।श्श उन्होंने दावा किया, "नई शर्तों के साथ एक नई निविदा 2022 के अक्टूबर में महाराष्ट्र सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई। अडाणी समूह ने इस टेंडर को 5,069 करोड़ रुपए की बोली लगाकर जीत लिया, जो पहले की बोली से 2,131 करोड़ रुपए कम है। रमेश ने कहा, "नियमों एवं शर्तों में जो बदलाव हुए उसके कारण सेकलिंक को फिर से बोली लगाने का मौका नहीं मिला। साथ ही, बोली लगाने वालों के लिए तय कुल संपत्ति 10,000 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपए कर दी गई, जिससे बोली लगाने वालों की संख्या सीमित हो गई। उन्होंने सवाल किया, "क्या प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा समर्थित महाराष्ट्र सरकार को निविदा के नियम एवं शर्तों को बदलने के लिए मजबूर किया ताकि मूल विजेता को बाहर किया जा सके और एक बार फिर अपने पसंदीदा कारोबारी समूह की मदद की जा सके? क्या झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को भी नहीं बख्शा जाएगा।

जदयू ने जातीय जनगणना पर राहुल गांधी के रुख का समर्थन किया

पटना। बिहार में जब एनडीए की सरकार थी तब राज्य में जाति आधारित जनगणना कराने का निर्णय लिया गया था। राज्य में दूसरे चरण की जातीय जनगणना का कार्य चल भी रहा है। इस बीच, कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने भी राष्ट्रीय स्तर पर जाति आधारित जनगणना कराने की बात रखी है। राहुल की मांग का जदयू ने भी समर्थन किया है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया है, जो सामाजिक न्याय की दिशा में एक सही कदम है और इसका स्वागत है। जनता दल (यूनाइटेड) और हमारे नेता नीतीश कुमार की तरफ से इसकी मांग वर्षों से होती रही है। इसबार भी गश्हमंत्री अमित शाह से मिलकर ऐसी मांग की। जनता दल (यूनाइटेड) के 11 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल गश्हमंत्री से मिलकर जातिगत जनगणना करवाने की मांग की, लेकिन वे नहीं माने। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में जातीय गणना कराने का निर्णय लिया, जिसमें भाजपा जानबूझ कर देर करती रही, लेकिन मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्णय के सामने भाजपा को झुकना पड़ा और गणना हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री बिहार की कई जनहितकारी योजनाओं को अपने राष्ट्रीय योजनाओं में शामिल किया है। सिंह ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि जनहित और राष्ट्रहित में इसे भी स्वीकार कर पूरे देश में जाति आधारित जनगणना कराइए ताकि अतिपिछड़े, दलित, पिछड़े और ऊंची जाति के लोगों को आबादी के अनुरूप सत्ता में भागीदारी और हिस्सेदारी मिलने का रास्ता साफ हो सके।

सम्पादकीय

दुर्दांत का खौफनाक अंत

उत्तर प्रदेश और कई राज्यों में अपराध की दुनिया से राजनीति में आकर चार दशक तक स्वछंद राज करने वाले माफिया डॉन अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ का जिस तरह से अंत हुआ, उसने कोई अच्छा संदेश नहीं दिया। निस्संदेह, एक माफिया डॉन के साथ सहानुभूति नहीं होनी चाहिए, लेकिन जिस तरह पुलिस सुरक्षा के घेरे में उनकी हत्या हुई और पुलिस मूकदर्शक बनी रही, उससे उ.प्र. की पुलिस की साख पर आंच आई। कठघरे में तो राज्य का राजनीतिक नेतश्त्व भी आया है। पुलिस कर्मियों के निलंबन और जांच आयोग के गठन को राज्य सरकार की छवि सुधारने की कवायद के रूप में देखा गया। बहरहाल माफिया अतीक अहमद व अशरफ की हत्या को उस कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है, जिसकी शुरुआत प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के सरकारी गवाह उमेश पाल की सरेआम हत्या से हुई। जिसे प्रदेश सरकार व पुलिस ने अपने लिये चौलेंज माना। जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपराधियों को मिट्टी में मिलाने की टिप्पणी भी सामने आई थी। जिससे साफ हो गया था कि राज्य की सरकार व पुलिस बड़ी कार्रवाई करेगी। पहली प्रतिक्रिया, उमेश पाल हत्याकांड में शामिल बताये जा रहे अतीक के बेटे असद व उसके साथी की मुठभेड़ में मौत के रूप में सामने आई। जिसके जरिये सरकार व पुलिस ने संदेश देने का प्रयास किया कि अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो, बख्शा नहीं जायेगा। यूं भी योगी सरकार के दौरान कई हजार मुठभेड़ों व डेढ़ सौ से अधिक अपराधियों के एनकाउंटर में मारे जाने पर भी विपक्षी नेता सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन सवाल यही है कि क्या पुलिस इन अपराधियों को गिरफ्तार करके न्यायिक प्रक्रिया के जरिये दंड नहीं दिलवा सकती थी? वैसे कहा जाता रहा है कि न्याय की प्रक्रिया इतनी लंबी चलती है कि अपराधी धनबल, बाहुबल और सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक संरक्षण पाकर बरी होने की कवायद में लगातार लगे रहते हैं।

वैसे राजनीतिक नेतश्त्व परिवर्तन के बाद इस तरह के बड़े माफियाओं के फिर ताकतवर होने के बाद पुलिस के लिये भी निष्पक्ष रूप से जांच करना मुश्किल हो जाता है। वैसे प्रदेश में कई राजनीतिक दलों की सरकारों में ऐसे दागी टिकट पाकर जनप्रतिनिधि बनते रहे हैं और अपने विरोधियों को ठिकाने लगाना शुरू कर देते हैं। लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में अतीक व अशरफ की हत्या पुलिस की कार्यशैली पर सवाल ही खड़े करती है। आखिर ऐसे कुख्यात डॉन के आसपास मीडिया की भीड़ को क्यों जाने दिया गया, जिसको दूसरे गैंगों के अपराधियों से हमले का खतरा बराबर बना हुआ था। इसी कमजोर कड़ी को भांपकर ही अपराधियों ने फर्जी मीडियाकर्मी बनकर हत्याकांड को अंजाम दिया। बहुत संभव है आने वाले दिनों में सत्ताधीश इस घटना के बहाने माडिया की आजादी को कुतरने का प्रयास करें। वहीं दूसरी ओर इस हत्याकांड के बाद राजनीतिक रोटियां सेंकने का उपक्रम भी तेज हो गया है। कुछ राजनीतिक दल संप्रदाय विशेष के अपराधियों को ही निशाने पर लेने की बात कर रहे हैं। वहीं सत्तापक्ष के भी कुछ नेताओं के अमर्यादित बयान सामने आये हैं। वैसे इन हत्याओं के बाद समाज का खेमों बंटा नजर आना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ लोग अपराधियों की हत्या को न्याय हुआ मान रहे हैं। तो अपने समाज के लोगों के लिये रोबिन हुड जैसी भूमिका निभाने वाले डॉन के समर्थकों में इस घटना को लेकर दुख है। बहरहाल, यदि इस तरह अपराधियों की हत्या को न्यायसंगत बताया जाने लगेगा तो कोर्ट व कानून की क्या सार्थकता रह जाएगी? इस तरह के मामले कालांतर समाज में अराजकता को ही जन्म देंगे। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी कि अभियुक्तों की हत्या सरेआम टीवी कैमरों के सामने हुई,जिसके वीडियो वायरल होने के बाद पूरी दुनिया में तल्ख प्रतिक्रियाएं हुईं। उन देशों को भारत के खिलाफ विषवमन का मौका मिला जो हमारी कमजोर कड़ियों की तलाश में रहते हैं। निस्संदेह, किसी भी समाज में अपराधियों को सख्त दंड मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें सजा देने का काम पुलिस व अपराधियों का नहीं है, यह अधिकार सिर्फ और सिर्फ अदालतों को ही है।

त्रिपुरा में कांग्रेस-लेफ्ट का तालमेल रहेगा!

इस साल हुए त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सीपीएम ने मिल कर चुनाव लड़ा था। हालांकि इसका कोई फायदा नहीं हुआ। कांग्रेस को जरूर तीन सीटें मिल गईं, लेकिन सीपीएम की सीटें 16 से घट कर 11 रह गईं। दोनों के साथ आने से वोट प्रतिशत में भी कोई फर्क नहीं आया। इसके बावजूद बताया जा रहा है कि कांग्रेस और लेफ्ट का तालमेल जारी रहेगा। जानकार सूत्रों के मुताबिक दोनों पार्टियों के बीच अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव साथ मिल कर लडने की बात हो रही है। हालांकि त्रिपुरा में सिर्फ दो ही लोकसभा सीटें हैं और दोनों पर भाजपा जीती है। इसके बावजूद अगर दोनों पार्टियों के बीच तालमेल होता है तो यह बड़ी बात होगी। बताया जा रहा है कि कांग्रेस इस बात के लिए तैयार हो सकती है कि दोनों लोकसभा सीटों पर सीपीएम लड़े क्योंकि कांग्रेस के पास राज्य में बहुत मजबूत आधार नहीं है। जानकार सूत्रों के मुताबिक त्रिपुरा में तालमेल का मतलब होगा कि पश्चिम बंगाल और समूचे पूर्वोत्तर में दोनों पार्टियां साथ रहेंगी। तभी यह देखना दिलचस्प होगा कि पश्चिम बंगाल में विपक्षी एकता का क्या फॉर्मूला बनता है। अगर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का फॉर्मूला बनता है यानी हर सीट पर विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारने की बात तय होती है तो कांग्रेस और लेफ्ट के साथ ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस का गठबंधन बनवाना होगा। कांग्रेस और लेफ्ट या कांग्रेस और तृणमूल का गठबंधन को आसान से बन जाएगा लेकिन तृणमूल और लेफ्ट के बीच तालमेल बनाना आसान नहीं होगा।

संभलकर बोलें, शब्द सार्थक और विनाशक भी हो सकते हैं

शब्दों की महिमा को अपरंपार और अक्षर को नश्वर बताया गया है ।वैसे तो शब्दों की तीव्रता तलवार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलवार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है वर मुंह से बोले गए शब्द व्यक्ति को मृत्यु सा मूर्छित कर देते है। इसीलिए चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले कई बार सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्खों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजहद शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है। अकबर इलाहाबादी साहब कहते हैं, खीचों न कमानों को, न तलवार निकालो, जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े–बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े–बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी–बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है।

महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उपन्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्व को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उपन्यासों खाकर चंद्रकांता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक्कड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसंदेह शब्द जीवंतता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त होती है। इसीलिए तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। जो सदैव अच्छा वक्ता होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमानस को जीतना तय होता है और संसार पर वही राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया वाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्यथा उसके नतीजे भयानक भी हो सकते हैं।

शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहाँरे छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका रूस ,जापान, यूरोपीय देशों में दिए वहां के राष्ट्रपति व राजनेताओं द्वारा दिए गए भाषणों संभाषणों से युद्ध और कई बार शांति स्थापित हुई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा उनके कैबिनेट के मंत्री अपने दिए गए वक्तव्य से ही सारी दुनिया से अलग अलग हो गए हैं। और भड़काऊ भाषण के कारण आज दुर्गति को प्राप्त हुए हैं। भारत शांति का दूत माना जाता है शांति स्थापना की सदैव मीठी वाणी बोलता आया है और यही कारण है कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति का पुजारी एवं दूत कहा जाता है एवं सदैव अंतर्राष्ट्रीय विवादों में उनके राजनेताओं को मध्यस्थता अथवा समझौते के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है।

यही कारण है कि रूस यूक्रेन के लंबे युद्ध में विश्व के पूरे देश एवं रूस तथा यूक्रेन के राजनेता भी भारत की ओर युद्ध की शांति की पहल की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यही कारण है की युवा पीढ़ी को सदैव कम बोलने, सदाचारी संभाषण देने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है भारत की सांस्कृतिक तथा साहित्यिक विरासत को सत साहित्य और संतुलित भाषा का मनुष्य तथा समाज के विकास के लिए पर्याय माना गया है। इसीलिए संतुलित भाषा मीठी भाषा बोलने से सदैव समाज तथा देश का वातावरण विकास के अनुकूल होता आया है।

क्यों धधक रहा हैं सूडान

दुनिया में जिधर भी नजर दौड़ाएं उथल–पुथल ही नजर आ रही है। मानवता कराह रही है। लोग मर रहे हैं। सैकड़ों लोग हताहत हो रहे हैं। कहीं भूख से बच्चे बिलबिला रहे हैं तो कहीं अपने ही देश में लोग शरणार्थी हो रहे हैं। कहीं युद्ध है तो कहीं आतंकवाद। सूडान एक बार फिर वैश्विक खबरों में है। जहां इस समय अराजकता का माहौल है। शहरों से उठता हुआ धुआं और उनके बीच से गुजरते फाइटर जेट इस बात की ओर इशारा करते हैं कि देश में हालात बहुत बिगड़ चुके हैं। जिस देश ने अकाल का सामना किया हो और जिसने रोटी के लिए संघर्ष घकिया हो वहां गृहयुद्ध की स्थिति कैसे पैदा हो गई। यह एक विचारणीय प्रश्न है। सूडान में सेना और प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल में खूनी संघर्ष छिड़ा हुआ है। इस संघर्ष में केरल निवासी एक भारतीय समेत कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई है। इनमें तीन संयुक्त राष्ट्र कार्यकर्ता भी शामिल हैं। हिंसा में लगभग एक हजार लोग घायल हुए हैं। यद्यपि सेना ने अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स समूह के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर सत्ता के लिए खूनी संघर्ष में बढ़त हासिल कर ली है। लेकिन इससे लोकतंत्र बहाल करने की उम्मीदों को ही झटका लगा है। इस सारे घटनाक्रम के बीच सूडान में रहने वाले भारतीय चाहते हैं कि देश में जल्द से जल्द शांति हो जाए। प्राचीन समय से ही इस देश का भारत से ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक रिश्ता रहा है। लगभग दो हजार भारतीय मूल के लोग पीढ़ियों से सूडान में रह रहे हैं। इसके अलावा कई भारतीय कंपनियों ने सूडान में पैसा लगा रखा है और बहुत से भारतीय नौकरियों के सिलसिले में वहां हैं। भारत सरकार को

भारतीय नागरिकों की चिंता है। तभी उसने स्थिति को देखते हुए परामर्श जारी किया था कि वे अपने घरों में ही रहें। भारतीय विदेश मंत्रालय की सूडान की स्थिति पर नजर है। सूडान में जारी खूनी संघर्ष के केंद्र में दो लोग हैं। इनमें एक सूडान के सैन्य नेता अब्दुल फतह अल बुरहान और दूसरे अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के कमांडर मोहम्मद हमदान दगालो हैं। कुछ समय पहले तक ये दोनों सहयोगी थे। इस जोड़ी ने 2019 में सूडानी राष्ट्रपति उमर अल–बशीर को अपदस्थ करने के लिए एक साथ काम किया था और 2021 में भी सैन्य तख्तापलट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बाद में नागरिक शासन को बहाल करने की योजना के दौरान सेना में आरएसएफ को एकीकृत करने के लिए बातचीत के दौरान दोनों के बीच विवाद और तनाव उत्पन्न हो गया। अब दोनों के बीच इस बात पर विवाद है कि नए पदानुक्रम में कौन सीनियर होगा और कौन उसके मातहत होगा? इसी वर्चस्व की लड़ाई में दोनों सैन्य कमांडर के बीच खूनी संघर्ष छिड़ चुका है। अब्दुल फतह अल बुरहान मूल रूप से सूडान का नेता है। बशीर के पतन के समय बुरहान सेना के महानिरीक्षक थे। उनका करियर दागलो के समानांतर रहा है। अब्दुल फतह अल बुरहान के नेतृत्व वाली सेना ने एक बयान में आरएसएफ के साथ बातचीत से इनकार करते हुए और इसे भंग करने की बात कही है और इसे बागी मिलिशिया करार दिया है। अर्द्धसैनिक समूह आरएसएफ ने सशस्त्र बलों के प्रमुख को अपराधी बताया है। वर्ष 2021 में देश में तख्तापलट हुआ था और अब इस तरह के संकेत मिल रहे हैं कि दोनों के बीच संघर्ष जारी रह सकता है। जनरल मोहम्मद हमदान दागलो की अगुवाई वाले आरएसएफ का सशस्त्र बलों में एकीकरण को लेकर सहमति न बन पाने की वजह से यह तनाव उत्पन्न हुआ है। जब दो साल पहले क्रांति हुई थी तो लोगों को उम्मीद थी कि उन्हें शीघ्र लोकतंत्र मिलेगा लेकिन अब उन्हें भविष्य अंधकार में नजर आ रहा है। लोग जश्न मना रहे थे कि उन्हें दूसरा सैन्य राज नहीं चाहिए, उन्हें भारत की तरह लोकतंत्र चाहिए लेकिन आर्थिक संकट ने हालात बिगाड़ दिए। बढ़ती महंगाई ने लोगों का जीना दूभर कर दिया। देश के बिगड़ते हुए हालातों से करंसी कमजोर हुई। रोटी और ईंधन की लगातार कमी होने लगी। तख्ता पलट के बाद अंतर्राष्ट्रीय समर्थन और लोन राहत में अरबों डॉलर रुक गए। विकास परियोजनाओं को रोक दिया गया। राष्ट्रीय बजट पर दबाव डाला गया जिससे मानवीय स्थिति बिगड़ गई। रोटी को लेकर शुरू हुआ संघर्ष गृह युद्ध में बदल गया। संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना अभियानों के तहत भारतीय सेना के दस्ते सूडान में तैनात है जिन्होंने मानवीय सहायता मिशन में सराहनीय काम किया है। कई देशों ने सूडान में सभी पक्षों से संयम बरतने, लड़ाई रोकने और बातचीत के माध्यम से संकट को समाप्त करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। लोगों को गोलियों और लड़ाई की गहरी परेशान करने वाली आवाजों से जागना होगा। सवाल यही है कि क्या दो जनरलों के बीच अहंकार की लड़ाई समाप्त होगी अगर संघर्ष जारी रहा तो एक और मानवीय संकट पैदा हो जाएगा।**–आदित्य नारायण**

आज का राशिफल

मेष :– आज सावधानी बरते। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा। बाहर के खानपान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य समयानुसार पूर्ण नहीं होंगे।

वृषभ :– आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने–फिरने से आनंद–उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुन :– आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने–फिरने से आनंद–उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्क :– आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद–विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंह :– आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या :– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुला :– आज गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

वृश्चिक :– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

धनु :– गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

मकर:– सामाजिक रूप से ख्याति प्राप्त होने से आज व्यावसायिक, आर्थिक तथा सामाजिक रूप से लाभदायी दिन है। मध्याह्न के बाद सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य को संभालिएगा। वाहन चलाते समय भी सावधानी रखिएगा। मानसिक रूप से भी कुछ अस्वस्थता का अनुभव होगा।

कुंभ :– आपका मान–सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होने के संकेत गणेशजी आपको देते हैं। प्रत्येक कार्य सरलतापूर्वक संपन्न होगा। कार्यालय में ऊपरी अधिकारी को आपके कार्य से संतोष रहेगा और पदोन्नति के योग हैं। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का आयोजन भी हो सकता है।

मीन :– व्यवसायी और व्यापारीवर्ग के लिए प्रातरूकाल का समय अनुकूल नहीं है, ऐसा गणेशजी कहते हैं। ऊपरी अधिकारी तथा प्रतिस्पर्द्धियों के साथ व्यर्थ चर्चा या विवाद न करिएगा। कार्यालय का वातावरण अनुकूल होगा। अपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे।

राहुल के मुद्दों में उलझी भाजपा

कर्नाटक चुनाव में इस बार भाजपा के लिए कई तरह के संकट खड़े हुए हैं। सबसे बड़ा संकट तो सत्ता बचाने का है। इसके अलावा पार्टी में चल रही भगदड़, वरिष्ठ नेताओं, पूर्व मंत्रियों का कांग्रेस प्रवेश, आरक्षण, सांप्रदायिक मसलों को लेकर खड़े हुए विवाद भी चुनावी जीत की संभावनाओं को क्षीण कर रहे हैं। भाजपा की कोशिश हिंदू–मुस्लिम कार्ड खेलने की है, क्योंकि यह कार्ड हमेशा उसे फायदा दे जाता है। लेकिन इस बार राहुल गांधी ने कर्नाटक में चुनाव से ठीक पहले दो ऐसे मुद्दों को हवा दे दी, जिन पर भाजपा फंस सकती है। राहुल गांधी ने कर्नाटक से जातिगत जनगणना का कार्ड खेला है, जिस पर भाजपा बिहार और उत्तरप्रदेश में पहले ही फंसी हुई है और अब कर्नाटक से भी इसी मांग को राहुल गांधी ने उठा दिया है। 16 और 17 अप्रैल को राहुल गांधी दो दिन के कर्नाटक दौरे पर थे। वैसे तो उनका यह दौरा दो–तीन बार टला और तारीखें आगे बढ़ती रहीं। और जब–जब श्री गांधी के दौरे की अगली संभावित तारीख आती, तब–तब यह चर्चा उठती कि क्या कर्नाटक कांग्रेस में अंदरूनी कलह के कारण यह यात्रा टल रही है। मीडिया इस मुद्दे को तरह–तरह से बढ़ाता ताकि कांग्रेस के लिए माहौल खराब हो और भाजपा के पक्ष में बात बने। मगर फिर भी भाजपा अपनी फूट को रोक नहीं पाई। भाजपा को यह भी उम्मीद थी कि सांसदी गंवाने और मानहानि मामले में सजा के बाद राहुल गांधी थोड़े शांत हो जाएंगे। लेकिन राहुल गांधी अडानी मुद्दे पर सवाल उठाते रहे, पूछते रहे कि 20 हजार करोड़ किसके हैं और कर्नाटक के कोलार से सभा करके उन्होंने ऐसा दांव चल दिया, जिसका सामना करने के लिए भाजपा के रणनीतिकार शायद तैयार नहीं थे। गौरतलब है कि कोलार वही जगह है, जहां राहुल गांधी ने मोदी उपनाम को लेकर टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी को ही पूर्णेश मोदी ने मानहानि प्रकरण बनाया। कर्नाटक का मामला सूरत की अदालत में पेश हुआ और वहां से राहुल गांधी को अधिकतम सजा यानी 2 साल की कैद सुनाई गई। हालांकि इसके बाद उन्हें जमानत मिल गई और अब राहुल गांधी ने सजा के खिलाफ अपील की है, जिस पर फैसला आना अभी बाकी है। सजा के ऐलान के अगले ही दिन उनकी संसद सदस्यता रद्द हो गई और अब सरकारी बंगला भी छिन गया है। भाजपा संसद से

राहुल गांधी को बाहर करने में सफल हो गई, लेकिन इसके बाद भी उसकी मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। राहुल गांधी अपने पुराने तेवर के साथ ही भाजपा के सामने ऐसे सवाल उठा रहे हैं, जिनके जवाब भाजपा के पास नहीं हैं।

16 अप्रैल को कोलार पहुंचे राहुल गांधी ने ओबीसी के हक का सवाल और जातिगत आधारित जनगणना की मांग मोदी सरकार के सामने रखी। कांग्रेस की जय भारत चुनावी रैली में उन्होंने कहा कि संप्रग ने 2011 में जाति आधारित जनगणना की। इसमें सभी जातियों के आंकड़े हैं। प्रधानमंत्री जी, आप ओबीसी की बात करते हैं। उस डेटा को सार्वजनिक करें। देश को बताएं कि देश में कितने ओबीसी, दलित और आदिवासी हैं। आंकड़ों को सार्वजनिक करने की जरूरत को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर सभी को देश के विकास का हिस्सा बनना है तो प्रत्येक समुदाय की आबादी का पता लगाना जरूरी है। बता दें कि यूपीए सरकार ने 2011 में सामाजिक आर्थिक एवं जातिगत जनगणना (एसईसीसी) की थी। लेकिन इसके बाद ऐसी कोई पहल मौजूदा सरकार ने नहीं की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को एक पत्र लिखकर कहा है कि मैं एक बार फिर नवीनतम जाति जनगणना के लिए आधिकारिक रुप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मांग को रखने के लिए आपको ये पत्र लिख रहा हूं। मेरे सहयोगियों ने और मैंने पहले भी कई अवसरों पर संसद के दोनों सदनों में इस मांग को उठाया है। कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी इस मांग को रखा है। श्री खड़गे ने 2011 में एसईसीसी कराए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि मई 2014 में आपकी सरकार आने के बाद कांग्रेस और अन्य सांसदों ने इसे जारी करने की मांग की, लेकिन कई कारणों से जातिगत आंकड़े प्रकाशित नहीं किए गए।

जातिगत जनगणना की मांग पर भाजपा बिहार में पहले ही बुरी फंसी हुई है। अब कर्नाटक में कांग्रेस ने फिर इस मुद्दे को खड़ा किया है। कांग्रेस की इस पहल से जेडीयू, राजद और सपा जैसे दल भी खुश होंगे और विपक्षी एकता की संभावनाएं मजबूत होंगी। राहुल गांधी के लिए इस मसले का दोहरा महत्व है। एक ओर यह विपक्ष को एक करने की कोशिश है, दूसरी ओर उस ओबीसी समुदाय को साधना है, जिसके अपमान का आरोप राहुल गांधी पर उनके विरोधियों ने लगाया है। भाजपा उस अपमान की बात करती रही, जो राहुल गांधी ने किया ही नहीं और अब खुद श्री गांधी ने ओबीसी के आंकड़े जारी करने की मांग सरकार से कर के भाजपा को पसोपेश में डाल दिया है। अगर वह श्री गांधी की मांग को पूरा न करे तो ओबीसी विरोधी कहलाएगी और पूरा करे तो राहुल गांधी के आगे झुकी नजर आएगी। इससे जनता के बीच भाजपा की कमजोर छवि बनेगी। राहुल गांधी ने दूसरा सधा कदम कर्नाटक के दुग्ध केंद्र नंदिनी के स्टोर पर जाकर उठाया। पिछले कई दिनों से अमूल बनाम नंदिनी विवाद कर्नाटक में चल रहा था। नंदिनी के अमूल द्वारा अधिग्रहण की आशंकाओं के बीच माहौल में बाहरी बनाम स्थानीय का सवाल गहराता जा रहा था, इस बीच राहुल गांधी ने नंदिनी की आइसक्रीम खरीदकर ब्रांड कर्नाटक का गौरव बता दिया। यानी कांग्रेस ने अपना पक्ष साफ कर दिया कि वह कर्नाटक के लोगों के साथ है। इसका तगड़ा संदेश जनता के बीच जाएगा। कुल मिलाकर चुनावी वादों और घोषणाओं के अलावा राहुल गांधी ने दो ऐसे मुद्दों को अपने दौरे में उठाया है जो सीधे जनता तक पहुंचेंगे और इसमें मीडिया कुछ नहीं कर पाएगा।

केजरीवाल की राष्ट्रीय पार्टी

सवाल है कि आप के राष्ट्रीय पार्टी बन जाने और तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी और सीपीआई के राष्ट्रीय पार्टी नहीं रह जाने के क्या बदल जाएगा? क्या आम आदमी पार्टी इन तीनों से बड़ी पार्टी हो जाएगी?अरविंद केजरीवाल की एक तमन्ना पूरी हो गई। उनकी आम आदमी पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी हो गई है। इस देश में शायद ही कोई दूसरा नेता होगा, जिसने पार्टी बनाते ही उसको राष्ट्रीय बना देने का प्रयास शुरू कर दिया होगा। केजरीवाल ने 2011 में पार्टी बनाई थी और 2014 में पूरे देश में चुनाव लड़ गए थे। उन्होंने सवा चार सौ से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और खुद नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लडने वाराणसी चले गए थे। उस चुनाव में उनको जो झटका लगा उससे उनकी रफ्तार थोड़ी कम हुई। लेकिन फिर 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिले प्रचंड बहुमत से उनकी महत्वाकांक्षाओं को बहुत बढ़ा दिया। वे हर राज्य में चुनाव लडने लगे ताकि जल्दी से जल्दी आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिले। पिछले साल के अंत में गुजरात विधानसभा चुनाव में करीब 13 फीसदी वोट हासिल करने के साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय पार्टी होने का मानदंड पूरा कर लिया। दिल्ली और पंजाब में उनकी सरकार है और गोवा में उनको सात फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। राष्ट्रीय पार्टी होने के कई मानदंडों में एक यह है कि चार राज्यों में छह फीसदी या उससे ज्यादा वोट मिले हों। सो, जैसे ही गुजरात में उनको 13 फीसदी वोट मिला उन्होंने चुनाव आयोग के सामने दावा पेश कर दिया। जब चुनाव आयोग ने फैसला करने में देरी की तो उनकी पार्टी ने कर्नाटक हाई कोर्ट में अपील कर दी कि चुनाव आयोग को जल्दी फैसला करने को कहा जाए। हाई कोर्ट ने आयोग को 13 अप्रैल की समय सीमा दी थी और उससे तीन दिन पहले आयोग ने 10 अप्रैल को आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा देने का ऐलान किया। साथ ही शरद पवार की एनसीपी, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और सीपीआई का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खत्म कर दिया। अब सवाल है कि आप के राष्ट्रीय पार्टी बन जाने और तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी और सीपीआई के राष्ट्रीय पार्टी नहीं रह जाने के क्या बदल जाएगा? क्या आम आदमी पार्टी इन तीनों से बड़ी पार्टी हो जाएगी? तृणमूल के 215 से ज्यादा विधायक और दोनों सदनों में 30 से ज्यादा सांसद हैं। यह आप के विधायकों, सांसदों की संख्या से बहुत ज्यादा है।

केजीएमयू ने बेहोसी हालात में मिले लावारिस मरीज को दिया नया जीवन

कुलपति ने डॉक्टरों की टीम को इस सराहनीय कार्य के लिए दी बधाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। केजीएमयू के डॉक्टरों ने बेहोसी हालात में मिले लावारिस मरीज क ा इलाज प्रदान कर एक नई जिंदगी देकर सराहनीय कार्य कि या है। गोरखा नेपाल के छपरा मैदान का रहने वाला जीत बहादुर भूजल को जिसे पुलिस ने बेहोसी क ी हालात में 26 फरवरी को केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। यह बेहोशी की हालत में लखनऊ रेलवे स्टेशन पर पड़ा हुआ मिला था। मरीज की हालात गंभीर होने के कारण इसे कोमा में रखा गया था। डॉक्टरों की सक्रिय टीम द्वारा इलाज करने के उपरांत होस आने पर मरीज ने अपना नाम जीत बहादुर भूजल बताया इसके बाद मरीज के स्वास्थ्य में धीरे–धीरे सुधार होने लगा और खाने–पीने बोलने चलने लायक हो गया । ज्ञात हो इसकी शादी हो चुकी थी जिसके एक बेटा किस्मत जो आर्थिक तंगी के चलते हास्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है और मां के साथ गांव में रहता था। यह अपने गांव सोनौली से

गोरखपुर आया था और यह नौकरी के लिए कैंटीन के साथियों के साथ गोरखपुर में ट्रेन पर बैठकर केरल जा रहा था। इसके साथ ट्रेन में कुछ ध ोखा होने का अनुमान लगाया जा रहा है। यह बेहोशी की हालत में लखनऊ रेलवे स्टेशन पर पड़ा हुआ मिला था। होश में आने के बाद इसने अपनी मां से फोन पर बात की। मां ने किसी को इसके पास भेजने में असफल रही । वहीं संस्थान ने बीते रविवार को विभाग के कर्मचारी अतुल उपाध्याय, मित्रेश एवं गौतम ने मरीज को अपने खर्चे पर कार के माध यम से नेपाल के लिए रवाना हो गये। सुनौली बॉर्डर पर पहुंचते ही नेपाल के एक पुलिस अधिकारी अनिल थापा को सारी बातें बताई गई तो उन्होंने बहुत सहयोग किया। इसके तत्पश्चात उन्होंने मरीज के गांव के समीप थाने में फोन किया और यह पता चला कि वहां से ग्राम प्रधान और मरीज की मां ने किसी को मरीज को लेने के लिए सुनौली बॉर्डर भेजा है। फिर नेपाल की पुलिस ने उसे ढूंढ़ते हुए बॉर्डर तक ले आई और वहां मरीज को लेने आए परिजनों को सौंपा गया। जिसमें नेपाल पुलिस के सहयोग से मरीज जीत बहादुर को मां के पास पहुंचा दिया गया। डॉक्टरों की टीम में सिस्टर शशी सिंह और रेजिडेंट्स की टीम ने मरीज की देखभाल से आज मरीज स्वस्थ होकर अपने घर जा सका। इस प्रशंसनीय कार्य के लिए कुलपति ले.ज. डॉ. बिपिन पुरी ने न्यूरोसर्जरी विभाग समस्त टीम को बधाई देते हुए सराहना की।

पीड़ित ने अवैध निर्माण हटाने के लिए एसडीएम से शिकायत

रुदौली–अयोध्या । रुदौली कोतवाली मोहल्ला वजीरगंज में सार्वजनिक रास्ते पर हो रहे अवैध निर्माण को हटाने के लिए दर्जनों ग्रामीण रुदौली तहसील से लेकर कोतवाली तक चक्कर काट रहे हैं लेकिन सुनवाई कहीं नहीं हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देने के बावजूद निर्माण हटा कर सार्वजनिक रास्ता खाली नहीं कराया जा रहा है । जिससे मोहल्ले के दर्जनों घरों के लोगों का आगमन प्रभावित हो रहा है। मोहल्ले के निवासी शिवराम, लाले ,अरविंद, अनिल, बाबूलाल, अजय, आदि ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर कहा कि वह सार्वजनिक रास्ता कई पीढ़ियों से चला आ रहा है परंतु रास्ते में मोहल्ले के सुभाष पुत्र राजकुमार अवैध निर्माण करा कर रास्ता बंद करना चाह रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने तहसील व कोतवाली में मामले की सूचना दी है परंतु कोई कार्यवाही नहीं हो रही है । एसडीएम रुदौली ने मामले को लेकर आर आई और एसएचओ रुदौली कोतवाली को मौके पर पहुंचकर नियमानुसार कार्रवाई कार्रवाई करने का निर्देशित किया है। बावजूद इसके निर्माण कार्य हटाया नहीं गया।

एंटी करप्शन टीम द्वारा पकड़ा गाया लेखपाल

पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ लेखपाल गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मिल्कीपुर–अयोध्या । मिल्कीपुर में एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते लेखपाल बृजेश मीणा को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वसीयत में नाम अंकित कराने के नाम पर लेखपाल रिश्वत ले रहा था। एंटी करप्शन टीम ने उसे गिरफ्तार कर थाना कैंट ले गई जहां पर टीम द्वारा कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को एंटी करप्शन टीम ने तहसील मिल्कीपुर गेट के सामने से लेखपाल बृजेश मीणा को रंगे हाथ पकड़ा तो वे भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम के आगे भगाने में असफल रहा , दुकानदार व अन्य स्थानीय लोग जब तक कुछ घटना के बारे में समझ पाते तब तक एंटी करप्शन टीम रिश्वतखोर लेखपाल को वाहन में बिठाकर निकल गई। तहसील क्षेत्र के उरूवा बैश्य गांव निवासी रामचंद्र वसीयत खतौनी में नाम अंकित कराने के लिए लेखपाल को आवश्यक दस्तावेज दिए थे। लेकिन लेखपाल द्वारा पीड़ित से वसीयत करने के नाम पर 5000 रूपए की मांग की गई थी। जिसकी शिकायत पीड़ित ने एंटी करप्शन अयोध्या से की थी। रामचंद्र मंगलवार को मिल्कीपुर तहसील पहुंचकर

तहसील गेट के पास लेखपाल को पांच हजार रुपए रिश्वत देकर जैसे बगल हुआ वैसे ही एंटी करप्शन टीम ने लेखपाल को दबोच लिया। लेखपाल के पास से टीम को रिश्वत के रुपेए एवं वसीयत के दस्तावेज प्राप्त होने पर टीम ने कैंट थाने लेखपाल को लेकर चली गई जहां पूछताछ कर रही है। लेखपाल के बारे में जानकारी के लिए जब तहसीलदार एवं एसडीएम को फोन किया गया तो वे अपना फोन उठाना उचित नहीं समझे। फिलहाल तहसील परिसर में राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों में अफरा–तफरी का माहौल खबर लिखे जाने तक बना रहा।

रिश्वतखोर लेखपाल के खिलाफ होने वाली कार्यवाही के संबंध में जानकारी के लिए जब एंटी करप्शन प्रभारी से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका चल भाष नंबर बंद रहा जिसके चलते और जानकारियां प्राप्त नहीं हो सकी।

संक्षिप्त खबरे

मरीज को अश्वक्सीजन की जरूरत पर लाना पड़ेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जेनरेटर

हरपालपुर,हरदोई। सवायजपुर विधायक माघवेंद्र प्रताप सिंह रानू के द्वारा ली गई गोद सीएचसी हरपालपुर का बुरा हाल है। किराए पर जनरेटर लाकर परिजनों ने मरीज को ऑक्सीजन लगवाई। सीएचसी का खराब जनरेटर सफेद हाथी साबित हो रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को एक सांस के मरीज को ऑक्सीजन लगने की जरूरत थी। सीएचसी का जनरेटर खराब होने पर परिजनों ने किराए पर जनरेटर मंगवा कर मरीज को ऑक्सीजन लगवाई। सांस रोग से पीड़ित नगरा बरसोहिया गॉव निवासी नरदेव सिंह चौहान 65 को उसके पुत्र बलवीरने मंगलवार को सीएचसी हरपालपुर मे भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सक ने मरीज को ऑक्सीजन लगाने की बात कही। परंतु बिजली के अभाव में अस्पताल कर्मियों ने सीएचसी का जनरेटर खराब होने का हवाला दिया। जिससे मरीज को एक घंटे तक ऑक्सीजन नहीं लग सकी। मरीज के पुत्र बलवीर ने बताया कि जब जनरेटर 500रुपये में किराए पर लाकर अपने पिता की जान बचाने के लिए ऑक्सीजन लगवायी। सीएचसी पर अव्यवस्थाओं का आलम तब है जबकि क्षेत्रीय विध ायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू की ओर से सीएचसी को गोद लिया गया है। सीएचसी अधीक्षक अमित कुमार वर्मा ने जनरेटर सही होने का दावा किया है।

एएसपी बोले– अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई पीआरडी जवान की मौत

हरदोई। कासिमपुर इलाके में एक पीआरडी जवान का शव पड़ा मिला है। जिसकी पहचान रामभजन विश्वकर्मा के रूप में हुई है। पीआरडी जवान बाइक पर सवार होकर घर जा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया कि कासिमपुर थाना क्षेत्र के गुलाबी खेड़ा में एक पीआरडी जवान का शव पड़ा मिला है। राहगीरों ने जिसके शव को सड़क किनारे पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास किया। जिसमें पीआरडी जवान के शव की पहचान रामभजन विश्वकर्मा के रूप में हुई है। वह ड्यूटी करके बाइक से घर जा रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन की टक्कर से वह नीचे गिर गया। जिसमें पीआरडी जवान की दर्दनाक मौत हो गई है। पुलिस शव कब्जे में लेकर जांच में जुटी है। एएसपी पूर्वी नृपेंद्र कुमार ने बताया कि कासिमपुर इलाके में एक पीआरडी जवान का शव मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में पीएम रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

साइकिल सवार को कार ने टक्कर मार किया घायल

पहला (सीतापुर)। थाना सदरपुर क्षेत्रांतर्गत बिसवां– महमूदाबाद मार्ग के देवकलिया विद्यालय के सामने बिसवां दूध डेयरी से काम कर घर वापस जा रहे साइकिल सवार को महमूदाबाद की तरफ से तेज रफ्तार आ रही बैगनार कार ने जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे साइकिल सवार दूर जा गिरा तथा उसके सिर हाथ में काफी चोट आ गई। मिली जानकारी के अनुसार थाना सदरपुर क्षेत्र के बेनी माधवपुर मजरा कंचनपुर माहरिया निवासी त्रिभुवन उर्फ लल्लन पुत्र सत्रोहन मौर्य उम्र 30 वर्ष बिसवां से दूध डेयरी पर काम करके साइकिल से घर वापस जा रहा था। देवकलिया विद्यालय के सामने उसे महमूदाबाद की तरफ से तेज रफ्तार बैग्नार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह दूर जा गिरा तथा उसके सिर हाथ में काफी चोट आ गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उसे बिसवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां लाया गया। जहां उसका इलाज कर सीतापुर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चौकी पर खड़ा कर लिया मगर ड्राइवर भागने में सफल रहा।

अज्ञात चोरों ने एक घर चुराई लाखों की ज्वैलरी

बिसवां नगर (सीतापुर)। मानपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में बीती देर रात चोरों ने एक घर पर धावा बोलकर लगभग लाखों रुपये ज्वैलरी बर्तन व मोटरसाइकिल चोरी कर ले गये। मिली जानकारी के अनुसार थाना मानपुर क्षेत्र के ग्राम आडू सरायं निवासी परमेशर पुत्र सोनेलाल के घर में बीती देर रात्रि में चोर घुस आए और घर में रखी ज्वैलरी जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है व घर में रखा कूकर व बर्तन तथा एक मोटरसाइकिल स्पेलेंडर प्लस लाल व काले रंग की चोर चोरी कर ले गए हैं। जिसकी सूचना पीड़ित परमेश्वर ने थाना मानपुर में दी है।

चोरों ने 70 हजार नकदी समेत जेवर किया साफ

पहला (सीतापुर)। थाना सदरपुर क्षेत्रांतर्गत बीती रात चोरों ने दो घरों से लाखों के जेवर नकदी पर अपना हाथ साफ कर दिया। पीड़ित द्वारा थाना में प्रार्थना पत्र दिया गया है। मिली जानकारी अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती रात बरदहा मजरा रमद्वारी निवासी रामनिवास पुत्र भगौती प्रसाद के घर चोरों ने अलमारी व बॉक्स का ताला तोड़कर सारी जेवर और 40000 नकदी तथा अन्य सामान उठा ले गये। वहीं गांव रमद्वारी निवासी छोटू पुत्र जहीर खान के घर से चोर बक्से का ताला तोड़कर जेवर तथा 30,000 नगदी उठा ले गये। गृह स्वामी का दावा है कि उसने खेत से घर वापस आते समय रात में कुछ लोगों को भागते हुए देखा है और पहचानता है। थाने में प्रार्थना पत्र दिया गया है।

अज्ञात कारणों से लगी आग, छप्पर जलकर हुआ राख

मिल्कीपुर–अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र के रामनगर मंडी के निकट स्थित एक छप्पर में आग लग गई जब तक लोग पहुंचते तब तक आग पूरी तरह छप्पर को अपने चपेट में ले चुकी थी प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर निवासी शारदा प्रसाद के छप्पर में दोपहर अज्ञात कारणों से आग लग गई आग की लपटों को देख शारदा प्रसाद ने गुहार लगाना शुरू कर दिया रास्ते से गुजर रहे लोगों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को देते हुए आग बुझाने में जुट गए।

सेउता विधायक ने क्षेत्र के अधिकारियों के साथ किया दौरा

अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते सेउता विधायक ज्ञान तिवारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

रेउसा (सीतापुर)। रामपुर मथुरा क्षेत्र के आधा सैकड़ा गांव मूलभूत सुविध ाओं से वंचित है। वजह गोबरहिया नदी पर पुल न होने से शासन की सड़कों आदि सभी मूलभूत आवश्यकताओं का लाभ इस क्षेत्र के लोगों को नहीं मिल पा रहा है। मंगलवार को विधायक ज्ञान तिवारी ने अधिकारियों के साथ क्षेत्र का दौरा किया और ग्रामीणों से उनकी समस्याओं को सुना लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने पुल की नपाई की। जिसमें पाया गया इस नदी पर 105 मीटर से अधिक का पुल बनाया जाएगा। पुल बनाने का काम सेतु निगम करेगा। विधायक ने मौके पर से ही सेतु निगम के प्रबंध निदेशक से वार्ता की। एमडी ने कहा लोक निर्माण विभाग सेतु निगम की संयुक्त टीम 2 दिन के बाद नदी पर पहुंचेगी और इस पुल के निर्माण को लेकर अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। विधायक ज्ञान तिवारी ने कहा रामपुर मथुरा क्षेत्र बहुत गरीब

इलाका है। क्षेत्र के 12 गांव जिनकी आबादी 250 व 38 गांव। जिनकी आबादी 100 से अधिक है। यह सभी गांव गोबरहिया नदी के उस ओर आते हैं। नदी पर पीपे का पुल बना हुआ है। जिस पर बेहतर यातायात नहीं हो पाता है। कन्हैईय घाट पर पुल बनाने की कार्रवाई की जाएगी। पुल के साथ ही रोड का काम किया जाएगा। विध ायक ने नदी के पास जाकर गांव में चौपाल भी लगाई और समस्याओं को सुना व देखा मेन रोड पूरी कच्ची रोड है। उस पर निकलना मुश्किल हो रहा है भारी धूल के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने कहा जिलाधिकारी से वार्ता करके इस मार्ग पर बरसात से पहले खड़ंजा लगाने का कार्य पूरा कराया जाएगा। पुल बनाने के लिए मुख्यमंत्री, लोक निर्माण मंत्री व प्रमुख सचिव लोक निर्माण सहित शासन प्रशासन के अन्य अधिकारियों से वार्ता करके इस समस्या का समाधान कराया जाएगा। जब पुल बन जाएगा तो सभी 50 गांव में सड़क सहित व अन्य मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाया जाएगा। ग्रामीणों ने भी इस बात पर खुशी जताई। आजादी के बाद हमारे क्षेत्र की सुध ली गई। विधायक ने कहा जब वह पहली बार विधायक बने थे तभी उन्होंने इस पुल के बनाने के लिए प्रयास किया था। लेकिन विभागीय नियम कानूनों के चलते व कोविड के कारण यह पुल नहीं बन पाया। लेकिन अब इस पुल के निर्माण को लेकर प्रयास शुरू किया गया है। यह पुल बन जाने से क्षेत्र में विकास व जनहित के कार्यों को अमलीजामा पहनाया जा सकेगा।

महानिदेशक रेलवे बोर्ड ने किया आरडीएसओ का दौरा

लखनऊ। रेलवे बोर्ड के महानिदेशक (मानव संसाधन), मोहित सिन्हा ने मंगलवार को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संआरडीएसओ का दौरा किया । आरडीएसओ के महानिदेशक संजीव भुटानी ने मोहित सिन्हा का स्वागत किया। इस अवसर पर आरडीएसओ द्वारा एक विस्तृत तकनीकी प्रस्तुति दी गई जिसमें आरडीएसओ की हाल की उपलब्धियों और चल रही परियोजनाओं पर प्रकाश डाला गया एवं अन्य महत्वपूर्ण भविष्य की परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई। मोहित सिन्हा ने अपने संबोधन में आरडीएसओ द्वारा भारतीय रेल के विकास की दिशा में किये जा रहे कार्यों की सराहना की एवं तेजी से बदलती तकनीक के साथ रेल उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया ।

सीएम ने जगह–जगह औषधि वाटिका बनाए जाने का निर्देश दिया

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौरान लोगों को आयुर्वेद चिकित्सा का महत्व समझ में आया। औषधि प्रदान करने वाले पौधों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले में जगह–जगह औषधि वाटिका बनाए जाने का निर्देश दिया। औषध रूपी पौधों का अभियान चलाकर करोड़ों की संख्या में पौधों का रोपड़ किया गया। जिससे लोगों को आयुर्वेद चिकित्सा के द्वारा अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। लेकिन अफसरशाही के चलते यह अभियान भी दम तोड़ता नजर आ रहा है। लखनऊ जिले में 8 ब्लॉक हैं। जिनमें से एक मोहनलालगंज विकासखंड कार्यालय पहला आईएसओ सर्टिफाइड ब्लॉक हैं। वही मोहनलालगंज विकासखंड कार्यालय में बैठे अफसरों की लापरवाही के कारण ब्लॉक परिसर में बनी औषधि वाटिका बदहाली के आंसू बहा रही हैं। लाखों रुपए की लागत से तैयार औषधि वाटिका में लगे पौधे बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। औषधि वाटिका में सूखे पत्तों का अंबार लगा हुआ है। साफ सफाई न होने से औषधि वाटिका के पास जगह–जगह गंदगी के ढेर लगे पड़े हैं। सोचने की बात है कि जब विकासखंड परिसर में बनी औषधि वाटिका की साफ सफाई व सुरक्षा व्यवस्था बेहतर नहीं है तो विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों का क्या हाल होगा। इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है। यही नहीं ब्लॉक परिसर में लाखों रुपए खर्च कर लगाई गई। स्ट्रीट लाइटें भी शो पीस बनकर रह गई। सूत्रों की माने तो शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। लेकिन विकासखंड कार्यालय में बैठे अफसरों को कुछ नजर नहीं आ रहा है।

युवती की गला रेत हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

अयोया। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम की अदालत ने महाराजगंज थाना क्षेत्र निवासी युवती की हसिए से गला काट हुई हत्या के मामले में 200 दिनों में सुनवाई पूरी कर ली। हत्या में दोष सिद्ध होने के चलते न्यायाधीश यशपाल ने आरोपी को आजीवन कारावास तथा 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। साथ ही जुर्माने की 75 फीसदी राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया है। हालांकि अदालत में दुष्कर्म के प्रयास का आरोप साबित नहीं हो सका। बताया गया कि महाराजगंज थाना क्षेत्र निवासी युवती अपने घर से थोड़ी दूर खेत में बाबा की ओर से काट कर रखे गए चरी को लाने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान वहां पर मौजूद एक युवक ने युवती के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया और विरोध करने पर हसिए से वार कर उसका गला काट दिया था। पीड़िता ने कागज पर लिखकर आरोपी की पहचान बताई थी। उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई थी। जिसको लेकर संगठनों ने रोडजाम कर प्रदर्शन किया था। प्रकरण में परिवार की ओर से 4 अगस्त 2022 को महाराजगंज थाने में अपराध संख्या 297 ध 2022 अंतर्गत धारा 376अ, 302 आईपीसी के तहत शत्रुघन यादव के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस की ओर से आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद फास्ट ट्रैक प्रथम की अदालत मामले का विचारण कर रही थी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश चंद्र पाण्डेय ने बताया कि पीड़िता ने वाट्सएप पर आरोपी के फोटो की पहचान की थी और कागज पर लिखकर उसका नाम बताया था। इलाज के दौरान 7 अगस्त 2022 को पीड़िता की मेडिकल कॉलेज लखनऊ में मौत हो गई थी। मामले में स्थानीय स्तर आक्रोश और विरोध के चलते डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मुकदमे का निस्तारण फास्ट ट्रेक कोर्ट से कराने का निर्देश दिया था। एफटीसी कोर्ट ने लगभग 200 दिन के भीतर विचारण पूरा कर न्यायाधीश यशपाल ने आरोपी शत्रुघ्न यादव पर मंगलवार को हत्या का दोष सिद्ध पाया और बुधवार को आजीवन कारावास व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

ट्रेन में यात्रियों के सामान को चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। कानपुर के गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन के आउटर से जीआरपी पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। ट्रेन के आउटर में गाड़ी धीमी होने पर गाड़ी में चढ़कर सामान चोरी करने की घटना को यह चोर अंजाम देते थे। चोरों के पास से चोरी का माल भी बरामद किया गया है। चोरी के माल में एक आर्मी के जवान की आईडी कार्ड भी बरामदगी की गई। जवान को आईडी वापस की गई है। इसके बाद आर्मी के जवान ने जीआरपी पुलिस का आभार व्यक्त किया है। चोरों ने पहले भी कई ट्रेनों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन के आउटर इलाके में मंगलवार सुबह करीब 7रू30 बजे जीआरपी पुलिस टीम ने दो चोरों को गिरफ्तार किया। चोरों के पास से चोरी का माल बरामद हुआ है, जिसमें मोबाइल फोन,ज्वेलरी,आईडी कार्ड बरामद किए गए हैं। चोर आउटर इलाकों में ट्रेन के दिन में होने पर उसमें चढ़कर सो रहे यात्रियों के सामान को चोरी करने का काम करते थे। जीआरपी थाना प्रभारी रामकृष्ण द्विवेदी ने बताया कि चोरों ने पूछताछ में बताया है कि पहले भी कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पकड़े गए दोनों ही चोर कानपुर के निवासी हैं। विष्णु शुक्ला के ऊपर पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बिहार के निवासी आर्मी के जवान के साथ भी 11 मार्च 2023 को चोरी की घटना गोविंदपुरी आउटर में हुई थी, जिसमें आर्मी जवान के आईडी कार्ड ,आधार कार्ड और कई दस्तावेज और सामान चोरी हुआ था। उसे भी बरामद किया गया। संबंधित जवान को उसका आईडी कार्ड लौटाया गया आर्मी के जवान राजेश मिश्रा के आई डी कार्ड को लौटा दिया गया है। आर्मी के जवान ने बताया कि आईडी कार्ड ना होने की वजह से वह ड्यूटी ज्वाइन नहीं कर पा रहा था। जीआरपी ने उसकी आईडी कार्ड को बरामद कर उसे वापस कर दिया है,जिसके लिए उसने जीआरपी पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

आम के बगीचे में किसान का शव लटकता मिला

कानपुर। नरवल थाना क्षेत्र अंतर्गत आम के बगीचे में एक किसान का शव दुपट्टे के सहारे लटकता मिला। शव देख आसपास के लोगों ने मृतक के परिजनों व स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पहुंची पुलिस ने किसान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया व घटना की जांच पड़ताल में जुट गई। उधर, घटना के बाद किसान के घर में कोहराम मच गया। नरवल कस्बा निवासी कैलाश नारायण सिंह (50) किसानी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मंगलवार की सुबह गांव के कुछ लोग खेत की तरफ जा रहे थे। इस दौरान लोगों ने कैलाश नारायण सिंह का शव उसके घर से लगभग 500 मीटर दूर बगीचे में नीम के पेड़ से दुपट्टा के बने फंदा पर लटका देखा। शव पेड़ पर लटके होने की खबर गांव में फैलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों की सूचना पर नरवल थाना प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक किसान की पत्नी सुमन देवी ने बताया कि आज सुबह खेत जाने को कहकर घर से निकले थे। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह नहीं लौटे तो परिजन उसकी खोजबीन में जुटे थे। मृतक के चार बेटे व दो बेटी है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल था।

सांड के हमले से बाइक सवार बुजुर्ग की मौत

निगोहां। निगोहां के कांटा करौंदी गांव में घर से निगोहां बाजार बाइक से जा रहे किसान की बाइक के सामने अचानक से एक आवारा सांड आ गया जिसके बाद बाइक सड़क पर गिर गई बाइक गिरने के बाद किसान पर सांड ने हमला कर दिया जिसमें किसान गंभीर रुप से घायल हो गया सूचना पर पहुंचे परिवारजनों ने आनन–फानन किसान को निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया वहीं उपचार के दौरान किसान की मौत हो गई। पीड़ित पत्नी ने निगोहां थाने पर मामले की तहरीर दी। कांटा करौंदी गांव निवासी शर्मावती ने बताया कि बीते 8 अप्रैल की शाम उनके पति सुर्जमोहन (45) बाइक से निगोहां बाजार जा रहे थे तभी रास्ते में अचानक बाइक के सामने एक आवारा सांड आ गया जिसके बाद बाइक सड़क पर गिर गई बाइक गिरने के बाद सांड ने किसान पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया जिसमें किसान गंभीर रुप से घायल हो गया वहीं ग्रामीणों ने किसी तरह सांड से किसान को बचाया और परिवारीजनों को सूचना दी सूचना पर पहुंचे परिवारीजनों ने आनन–फानन किसान को निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां सोमवार देर रात उपचार के दौरान किसान की मौत हो गई। मंगलवार को पत्नी ने निगोहां थाने पर मामले की तहरीर दी। म्रतक के दो बेटे राहुल, मोहित व एक बेटी लछमी व पत्नी शर्मावती है जिनका रो रो बुरा हाल है।

विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

जिला कारागार के पुरुष व महिला बैरक का किया निरीक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देशन व संजीव फौजदार जनपद न्यायाध ीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधि ाकरण फैजाबाद के मार्गदर्शन में मंगलवार को जिला कारागार फैजाबाद (किशोर बैरक) में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन शैलेन्द्र सिंह यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फैजाबाद की अध यक्षता में सम्पन्न हुआ। साथ ही साथ जिला कारागार अयोध्या के पुरुष एवं महिला बैरक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सबकुछ ठीक–ठाक पाया गया। निरीक्षण के समय जिला कारागार अयोध्या में कुल 1230 पुरुष एवं 51 महिला बन्दी पायी गयी। महिला बैरक में महिला बन्दियों के साथ 06 बच्चें भी संवासित है। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फैजाबाद द्वारा जागरूकता शिविर में उपस्थित

किशोर बन्दियों से उनकी परेशानियों व विधिक समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। उनको उनके अधिकारों व विधिक प्राविधानों से अवगत कराया गया, जिसका उनके द्वारा लाभ लिया जा सकता है। शिविर में उपस्थित बन्दियों के उनके स्वास्थ्य एवं खानपान के बारें में जानकारी प्राप्त की गयी। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फैजाबाद द्वारा जेल में निरूद्ध बन्दियों को विधिक जानकारी प्रदान की गयी एवं बताया गया कि यदि किसी बन्दी के पास अधिवक्ता की सुविधा उपलब्ध नहीं है तो उसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अपने मुकदमे की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता की सुविधा प्रदान की जाती है। जेल में लीगल एड क्लीनिक की स्थापना की गयी है जिससे किसी बन्दी को कोई समस्या हो तो वह जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है। साथ ही साथ अध ीक्षक जिला कारागार फैजाबाद को यह भी बताया गया कि जिन बन्दियों की जेल अपील की जानी है उनका प्रार्थना पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में उपलब्ध करायें जिससे बन्दियों की जेल अपील के सम्बन्ध में आगे की कार्यवाही की जा सकें। कोविड–19 की बढ़ती समस्या से बचाव के लिए जिला कारागार अयोध्या में बन्दियों को मास्क लगाने व शारीरिक दूरी बनाये रखने की जानकारी दी गयी। जेल अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि नियमित अन्तराल पर कैम्पस को सैनीटाइज कराया जा रहा है, शारीरिक दूरी बनाये रखने, मास्क का उपयोग व अन्य बचाव के उपाय का अनुपालन नियमित रूप से किया जा रहा है।

खौफ के खात्मे के बाद जगी पीड़ितों की आस ,संपत्ति के असली हकदारों को मिलेगा योगी सरकार का साथ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के अंत के बाद अतीक और उसके गैंग के अत्याचार से पीड़ित परिवारों की आवाज मुखर होने लगी है। पीड़ितों को योगी सरकार से उम्मीद है कि वही उनके जख्मो के घाव भर सकती है और उन्हें इंसाफ दिला सकती है। शहर में अतीक के आतंक का किला ढह जाने से अब असली हकदारों को कब्जा की गई संपत्तियां की वापसी का इन्साफ मिलने की आस भी जगने लगी है।

प्रयागराज और आसपास के जिलों में अपने जुर्म और जरायम से भय और दहशत का साम्राज्य खड़ा करने वाले गैंगेस्टर और माफिया अतीक अहमद के खात्मे के बाद शहर में अतीक के अत्याचार से पीड़ित स्थानीय लोगों की आवाज मुखर होने लगी है। योगी सरकार के सत्ता में आने के पहले सत्ता की सह पाकर अतीक अहमद उसके गुर्गों ने प्रयागराज से लेकर लखनऊ तक करोड़ की कीमत की लोगों की खून पसीने की जमीन को हथियाने का खुला खेल खेला। माफिया के खात्मे के बाद अब अतीक के अत्याचार के शिकार लोगो की आवाजे मुखरित होने लगी हैं। दो दर्जन से अधिक पीड़ित इस विषय में सामने आकर अपने ऊपर माफिया के अत्याचार का सच सामने रख रहे हैं।

प्रयागराज शहर में 15 अप्रैल को हुई माफिया अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद खौफ का रौब खत्म हो गया है। माफिया के जुल्म से पीड़ित परिवारों का दर्द सामने आने लगा है। पुलिस विभाग की तरफ से अतीक और उसके गैंग से पीड़ित लोगों की जारी 20 प्रमुख लोगों की सूची में झलवा की सूरजकली के परिवार से लेकर मुंबई के जग्गा परिवार तक का दर्द शामिल हैं। प्रापर्टी डीलर जीशान, वर्ष 1994 में मारे गए अशफाक कुन्नू, 1995 में मारे गए अशोक साहू, वर्ष 2001 में मारे गए पार्षद नस्सन का परिवार, वर्ष 2003 में मारे गए भाजपा नेता अशरफ, मकसूद, देवरिया काण्ड के पीड़ित मो. जैद और लखनऊ के मोहित जायसवाल व अरशद , लखनऊ के व्यवसायी सुशील , मुंबई से बुलाकर कब्रिस्तान में पेड़ से बांधकर मारे गए जग्गा का परिवार, अल्कमा हत्याकांड में पीड़ित जाबिर व आबिद प्रधान, पार्षद सुशील यादव, पार्षद सऊद, सिक्योरिटी इंचार्ज रामकृष्ण सिंह और शाबिर उर्फ शेरू, उमेश पाल की पत्नी जयापाल के नाम इसमें शामिल है। 35 साल से अतीक के आतंक के खिलाफ मोर्चा लेने वाली शहर के झलवा इलाके की सूरज कली की 12 बीघे की जमीन हडपने के लिए अतीक ने उसके पति ब्रजमोहन कुशवाहा को गायब करा दिया, उसके बेटे को सरे आम गोली तक मार दी गई । अतीक के खात्मे के बाद सूरज कली को आस जगी है कि अतीक के आतंक के खिलाफ उसकी तीन दशको से जारी जंग का नतीजा निकलेगा और योगी सरकार उसकी माफियाओ द्वारा कब्जा की गई जमीन वापस दिलायेगी।

अतीक अहमद के वकील के पड़ोसी के घर बम से हमला

प्रयागराज । कर्नलगंज थाना क्षेत्र के कटरा स्थित गोबर गली में अतीक अहमद के वकील दयाशंकर मिश्रा के मकान के बाहर मंगलवार दोपहर बम धमाके हुए। दो अज्ञात लोगों ने वकील के घर के बाहर तीन बम पटके जिनसे जोरदार धमाका हुआ। पहले यह अफवाह उड़ी कि अतीक अहमद के वकील दयाशंकर मिश्र के घर के बाहर बम से हमला हो गया, लेकिन जब मामले की जांच की गई तो सच्चाई सामने आई। मिली जानकारी के अनुसार कटरा में गोबर गली में अतीक अहमद के वकील दयाशंकर मिश्रा के मकान के बाहर मंगलवार दोपहर बम धमाके हुए। दो अज्ञात लोगों ने वकील के घर के बाहर तीन बम पटके, जिनसे जोरदार धमाका हुआ। उस वक्त घर में वकील दयाशंकर नहीं थे। बम हमले में घर को कोई नुकसान नहीं हुआ और न कोई घायल हुआ, लेकिन मोहल्ले में अफरा तफरी मच गई। बम विस्फोट से धुआं फैल गया। सड़क पर और वकील दयाशंकर के घर के अंदर बम से निकले छर्रे बिखर गए। यह खबर इंटरनेट पर आग की तरह फैल गई कि वकील दयाशंकर के घर पर बम से हमला हुआ है। पुलिस के अनुसार जिस मोहल्ले में दयाशंकर का घर है, उसी मोहल्ले में उनका एक पड़ोसी छोटू यादव रहता है। जब बम हमले की जांच की गई तो पता चला कि छोटू यादव से हर्षित सोनकर का रुपयों के लेन–देन का विवाद चल रहा है। पैसों के विवाद में हर्षित सोनकर ने छोटू यादव के घर पर किया झगड़ा और फिर बम पटकते हुए भागा था। दुर्भाग्यवश बम अतीक अहमद के वकील दयाशंकर मिश्र के घर के बाहर पटके गए। वकील दयाशंकर मिश्र लंबे समय से अतीक अहमद के मुकदमों की पैरवी कर रहे हैं। बम हमले की सूचना मिलने पर दयाशंकर ने कहा कि घर के बाहर बम पटकने के पीछे दहशत फैलाने का इरादा हो सकता है। बता दें कि बीते सोमवार को अतीक अहमद के एक वकील विजय मिश्रा ने भी अपनी जान को खतरा जताया था।

अतीक की हत्या के बाद एक्शन में योगी सरकार, जारी की प्रदेश के टॉप माफियाओं की सूची

प्रयागराज । योगी सरकार 2.0 में 25 नए माफिया सूचीबद्ध किए गए हैं, जिनमें भदोही की ज्ञानपुर सीट से चार बार विधायक रहे बाहुबली विजय मिश्रा, सहारपुर निवासी बसपा के पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल उर्फ बाला के अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात सुनील राठी, बदन सिंह उर्फ बद्दो व अंबेडकरनगर के अजय सिपाही समेत अन्य कुख्यातों को शामिल किया गया है। मेरठ जोन के उधम सिंह, योगेश भदोड़ा, बदन सिंह उर्फ बद्दो, हाजी याकूब कुरैशी, शारिक, सुनील राठी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, अमर पाल उर्फ कालू, अनुज बारखा, विक्रांत उर्फ विक्की, हाजी इकबाल उर्फ बाला, विनोद शर्मा, सुनील उर्फ मूंछ, संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा व विनय त्यागी उर्फ टिंकू, आगरा जोन के अनिल चौधरी व ऋषि कुमार शर्मा, बरेली जोन के एजाज, कानपुर जोन के अनुपम दुबे। लखनऊ जोन के खान मुबारक, अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, संजय सिंह सिंघाला, अतुल वर्मा, मु.सहीम उर्फ कासिम प्रयागराज जोन के डब्बू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह, सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह, वाराणसी जोन के मुख्तार अंसारी, त्रिभुवन सिंह उर्फ पवन सिंह, विजय मिश्रा, ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह, अखंड प्रताप सिंह, रमेश सिंह उर्फ काका का नाम शामिल किया गया है। गोरखपुर जोन के संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवेदी, राकेश यादव, सुधीर कुमार सिंह, विनोद कुमार उपाध्याय, राजन तिवारी, रिजवान जहीर, देवेन्द्र सिंह, गौतमबुद्धनगर कमिनरेट के सुंदर भाटी, सिंहराज भाटी, अमित कसाना, अनिल भाटी, रणदीप भाटी, मनोज उर्फ आसे, अनिल दुजाना शामिल हैं।

30 लीटर महुआ व 45 क्वार्टर देशी शराब में दो का हुआ चालान

चित्रकूट। आगामी नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली कर्वी प्रभारी निरीक्षक गुलाब त्रिपाठी के मार्गदर्शन में दरोगा राधेश्याम सिंह की टीम ने राहुल तिवारी पुत्र स्व राधेश्याम तिवारी निवासी शंकर बाजार हाल मुकाम कांशीराम कालोनी को 30 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम में चालान किया गया है। टीम में दरोगा राधेश्याम सिंह व सिपाही रंजीत शामिल रहे।

वहीं सरधुवा थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह के मार्गदर्शन में दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी की टीम ने सुनीता पत्नी झुल्लन उर्फ शारदा निषाद निवासी किशोर का पुरवा मजरा सुरवल को 45 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम में चालान किया गया है। टीम में दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी, सिपाही राहुल पुरी, अमित सिंह, महिला सिपाही रचना प्रजापति शामिल रहीं।

संक्षिप्त खबरे

बागियों को पर होगी कठोर कार्रवाई: अवधेश चंद्र गुप्ता

प्रयागराज । नगर निकाय चुनाव को लेकर नगर निगम चुनाव संयोजक अवधेश चंद्र गुप्ता ने भाजपा कार्यालय सिविल लाइन में चुनाव संचालन समिति की बैठक किया। बैठक में उन्होंने नगर निगम चुनाव के संदर्भ में सभी करणीय कार्यक्रमों को लेकर कार्य योजना का प्रमुख बनाया। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता पार्षद का टिकट नहीं प्राप्त किया है और वो नाराज है उसे मनाने का कार्य किया जाएगा। बागी के रूप में जो कार्यकर्ता विरोध में जाकर चुनाव लड़ रहा है ऐसे कार्यकर्ताओं के ऊपर कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक का संचालन कुंज बिहारी मिश्रा ने किया। बैठक में चुनाव संचालन समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

दस भाषण सुनने से ज्यादा प्रभावशाली होता है एक नाटक देखना

प्रयागराज । प्रबुद्ध फाउंडेशन, देवपती मेमोरियल ट्रस्ट, बाबासाहब शादी डाट काम के संयुक्त तत्वावधान में विगत एक अप्रैल से यमुनापार की ग्रामसभा दौना में सात से सत्रह आयु वर्ग के बच्चो के सृजनात्मक कलात्मक और व्यक्तिव विकास के लिये संचालित एक तीस दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का समापन नागपुर महाराष्ट्र की प्रख्यात बहुजन महिला साहित्यकार डा. सुशीला टाकभौरे द्वारा लिखित नाटक जीवनं के रंग, जौनपुर निवासी अरुणांचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल प्रख्यात बहुजन साहित्यकार डा. माता प्रसाद द्वारा लिखित नाटक अछूत का बेटा और महादानी राजा बलि तथा मेरठ निवासी प्रख्यात बहुजन साहित्यकार सूरज पाल चौहान द्वारा लिखित कहानी परिवर्तन की बात जैसी चार नृत्य, गायन व नाट्य प्रस्तुतियों के साथ प्रबुद्ध रंग महोत्सव–2023 का समापन आगामी 30 अप्रैल को अपराह्न 02 बजे से सर्किट हाउस के पास स्थित उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के प्रेक्षागृह में किया जाएगा।

सपा के घोषित,मेयर, नगर पंचायत अध्यक्षों एवं पार्षद प्रत्याशियों के पर्चे वैध नगर पंचायत के 8में से 6एवं पार्षद के 100 में से 98 सींटो पर सपा ने सिम्बल दिए

प्रयागराज । समाजवादी पार्टी द्वारा घोषित मेयर, नगर पंचायत अध्यक्ष एवं पार्षद प्रत्याशियों के दाखिल सभी पर्चे वैध पाए गए हैं। सपा महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव एवं यमुनापार पप्पूलाल निषाद ने आज संयुक्त जानकारी देते हुए बताया है कि समाजवादी पार्टी के सिम्बल पर नामांकन करने वाले सभी प्रत्याशियों के पर्चे आज वैध घोषित हो गए हैं। सपा के सभी प्रत्याशी, नेता एवं कार्यकर्ता अब चुनाव मैदान में उतरेंगे। चुनाव में जीत के लिए आवश्यक रणनीति पर चर्चा कर योजना तैयार कर ली गई है। प्रत्याशियों को चुनाव जीतने के लिए आवश्यक टिप्स देने के लिए शीघ्र ही वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक बुलाई जाएगी। आज सपा के जिला कार्यालय में हुई बैठक में जिला एवं महानगर के पदाधिकारियों के साथ वरिष्ठ नेता राम मिलन यादव, राम सुमेर पाल, रविन्द्र यादव एडवोकेट, दान बहादुर मधुर, कुलदीप यादव, रिपु सूदन यादव, दिनेश भारतीय, लल्लन सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

अज्ञात चोरों ने लेखपाल की उड़ा ली बाइक

प्रतापगढ़। तहसील मुख्यालय के बगल खडी लेखपाल की बाइक को दिनदहाडे अज्ञात चोरों ने उडा लिया। पीडित लेखपाल ने कोतवाली पुलिस को मामले की तहरीर दी है। सड़वा चन्द्रिका के अदमापुर निवासी रामनाथ पुत्र बद्रीप्रसाद लालगंज तहसील मुख्यालय पर लेखपाल के पद पर तैनात है। लेखपाल रामनाथ के अनुसार मंगलवार की सुबह वह तहसील पहुंचा। तहसील के बगल बने निरीक्षण गृह के गेट के पास बाइक खडी करके तहसील चला गया। दोपहर में पीडित लेखपाल किसी कार्य से बाहर आया तो बाइक गायब देख उसके होश उड गये। काफी खोजबीन के बाद भी लेखपाल की बाइक का पता नही चला। पीडित ने अज्ञात चोर के खिलाफ कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है।

आगजनी में तीन बकरियां जलकर खाक, किशोरी झुलसी

प्रतापगढ़। स्थानीय कोतवाली के पूरे बंशी गांव में अचानक आग लगने से मवेशियो का चारा व एक बाइक जलकर खाक हो गयी। आगजनी मे छप्पर मे बंधी तीन बकरियों ने भी दम तोड दिया। गांव के रामदेव के पुत्र रामचरन के मकान के सामने छप्पर में मंगलवार को दोपहर बारह बजे अचानक आग लग गयी। आग लगते ही परिवार के सदस्यो मे हडकंप मच गया। आग बुझाने के प्रयास में रामचरन की पन्द्रह वर्षीया पुत्री जानकी भी झुलस गयी। ग्रामीणों के साथ लालगंज से फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची। उसके बाद किसी तरह आग पर काबू पाया जा सका। आगजनी में छप्पर मे रखा भूसा जल गया। वहीं एक बाइक भी जलकर राख हो गयी। झुलसी युवती को उपचार के लिए लालगंज अस्पताल लाया गया। आगजनी की घटना से ग्रामीणों मे भी अफरातफरी का माहौल देखा गया।

दुकान में लगी आग, 50 हजार रुपये की क्षति

चित्रकूट । अज्ञात कारणों से किराने की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने से दुकान में रखा सारा सामान, नगदी और अनाज जलकर राख हो गया। बताया गया कि आग से 40–50 हजार रुपये की क्षति हुई है। ये मामला मानिकपुर थाना क्षेत्र के खिचरी गांव के मजरा बेलहा में बीती रात हुआ। बताया गया कि कालीचरन पुत्र रामचरन जो रोज की भांति रात नौ बजे अपनी किराने की दुकान बंदकर घर चला गया था। तभी रात में दुकान में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई।

शाइस्ता की तलाश में अतीक की ससुराल में दबिश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपी गुड्डू मुस्लिम के घर पर बुलडोजर चल सकता है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने गुड्डू के घर पर एक नोटिस चस्पा किया है। नोटिस में गुड्डू मुस्लिम को सरेंडर करने के लिए 18 अप्रैल तक का समय दिया गया है। नोटिस के अनुसार 18 अप्रैल तक सरेंडर नहीं हुआ तो प्राधिकरण घर गिरा देगा। गुड्डू मुस्लिम पर 5 लाख का इनाम है। उधर, अतीक की पत्नी 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन के छुपे होने की सूचना पर धूमनगंज के मरियाडीह व भरेठा में पुलिस ने दबिश दी है। इससे पहले दावा किया गया था कि गुड्डू मुस्लिम की लोकेशन पुलिस को मिल गई है। उसकी अंतिम लोकेशन कर्नाटक में मिली थी। जिसके बाद एसटीएफ की टीम उसे पकड़ने के लिए नासिक से कर्नाटक गई थी। एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार के लिए इलाके की घेराबंदी भी करनी शुरू कर दी थी। गुड्डू मुस्लिम की तलाश यूपी पुलिस को उमेश पाल की हत्या के बाद से ही है। उमेश पाल की हत्या बीते 24 फरवरी को प्रयागराज में कर दी गई थी। इस हत्याकांड के बाद से ही लगातार छापेमारी जारी है लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद से गुड्डू मुस्लिम की तलाश और तेज हो गई है। इन दोनों की हत्या बीते 15 अप्रैल को प्रयागराज में हुई थी। तब लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य ने गोली मारकर इन दोनों की हत्या कर दी थी।

कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय का उदघाटन

प्रयागराज । कांग्रेस के प्रभारी राष्ट्रीय सचिव एवं छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री राजेश तिवारी ने पार्टी के महापौर प्रत्याशी प्रभा शंकर मिश्रा के केंद्रीय कार्यालय का उदघाटन किया। वात्सल्य अस्पताल के निकट स्थित कार्यालय पर पार्टीजनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी को एकजुट हो कर मिश्रा को जितना है।

जनता कांग्रेस नेतृत्व को पसंद कर रहा है। इस दौरान पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, पूर्व महापौर चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह, शेखर बहुगुणा, विजय मिश्रा, किशोर वार्ष्णेय, राघवेंद्र सिंह, प्रदीप अंशुमन, सुरेश यादव, अरूण तिवारी, हरिकेश त्रिपाठी, फुजैल हाशमी, देवी पांडेय, विवेकानंद पाठक, उज्जवल शुक्ला , संजय तिवारी , आशीष पांडेय आदि मौजूद थे।

महापौर के लिए 22 प्रत्याशी मैदान में

प्रयागराज । प्रयागराज में महापौर के लिए कुल 22 लोगों ने नामांकन किया है। इसमें भाजपा, सपा, कांग्रेस, आप समेत निर्दल प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया गया। आज मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच हुई। इसके बाद 20 अप्रैल हो नाम वापसी की प्रक्रिया होगी जिसमें प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले सकता है। इसके बाद मतदान की तैयारी होगी, यहां नगर निकाय चुनाव 4 मई को होना है। भाजपा प्रत्याशी के रूप में गणेश केसरवानी ने महापौर पद के लिए नामांकन पत्र जमा किया है। उनके नामांकन में प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत बड़ी संख्या में भाजपाई शामिल हुए थे। इसी तरह कांग्रेस से प्रभाशंकर मिश्रा एडवोकेट, बसपा से सईद अहमद ने नामांकन किया है। इसके पहले सपा से अजय कुमार श्रीवास्तव व आप से मो. कादिर ने नामांकन किया है। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में डॉ. नीरज, अजीत कुमार पटेल, शैलेंद्र कुमार, अभिलाषा गुप्ता पत्नी संतोष केसरवानी, आशीष कुमार श्रीवास्तव, मो. नसीम हाशमी, प्रदीप कुमार, बाल मुकुंद, कृष्ण कुमार साहू, गणेश जी त्रिपाठी, गुड्ड्डू गुप्ता, नंदू, नरेश मौर्य, मनोज कुमार उपाध्याय, रमेश कुमार , राजेश कुमार ने महापौर के लिए नामांकन किया है। निकाय चुनाव के लिए 11 अप्रैल से 17 अप्रैल तक नामांकन की प्रक्रिया चली। आज मंगलवार को सभी प्रत्याशियों की नामांकन पत्रों गई। जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री के मुताबिक, जो भी प्रत्याशी नामांकन वापस लेना चाहते हैं, उनके लिए 20 अप्रैल का दिन निर्धारित किया गया है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख पर मारपीट का लगा गम्भीर आरोप

घोसी, मऊ। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत बोझी क्षेत्र के बेलभद्रपुर गांव निवासी व बड़रांव के पूर्व ब्लाक प्रमुख विद्युत प्रकाश यादव पर उधार दिया हुआ ढाई लाख रुपया वापस मांगने पर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाते हुए उनके भतीजे ने ब्लाक प्रमुख व उसके बेटे पर मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया है। मुकदमा दर्ज कर कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। कोतवाली अंतर्गत बोझी क्षेत्र के बेलभद्रपुर गांव निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख विद्युत प्रकाश यादव के भतीजे अम्बरीष यादव पुत्र बृजमोहन यादव ने घोसी कोतवाली में एक तहरीर देते हुए बताया कि विगत 17 अप्रैल 2023 की सुबह करीब 8 बजे वह अपने चाचा विद्युत प्रकाश यादव पुत्र रामधारी यादव के घर अपने पिता बृजमोहन यादव द्वारा दिये गये 2 लाख 50 हजार रुपये वापस मांगने के लिए गया हुआ था।

आग का ताण्डव: भीषण आग में तीन मासूम सहित चार की मौत, साठ घर जल कर स्वाहा

कुशीनगर। जनपद के जटहा बाजार थाना क्षेत्र के बाजूपट्टी गांव में आग से जलकर तीन मासूम बच्चो समेत चार लोगों की मौत हो गई है। बताया जाता है कि घर आए रिश्तेदार के लिए दोपहर में मछली बनाते समय चूल्हे से उठी चिनगारी ने तबाही मचा दी। तेज हवा के चलते पल भर में ही आग की लपटें विकराल हो गईं। करीब डेढ़ घंटे तक आग कोहराम मचाती रही। इस हादसे पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुःख जताया है और मृतक परिवार को चार–चार लाख रुपये देने की घोषणा करते हुए अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत पहुंचाने का निर्देश दिया है। डीएम व एसपी मौके पर पहुचकर स्थिति का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार जटहा थानाक्षेत्र के भैरोगंज बाजीपट्टी मे रविवार को दोपहर में खाना बनाते समय लगी आग लगी आग के चपेट मे आने से 61 वर्षीय बुजुर्ग ठाकुर राजभर पुत्र जगरनाथ के साथ छह वर्षीय सोनामिका पुत्री राजेन्द्र चौहान व पांच वर्षीय सौम्या पुत्री नागेंद्र, एवं तीन वर्षीय तितल पुत्री सुरेन्द्र चौहान की दर्दनाक मौत हो गयी। देखते ही देखते राजभर टोले की करीब 60 रिहायशी झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचतीं तब तक तबाही मच चुकी थी । लपटें ऐसी उठीं कि किसी को आग बुझाने या उसमें फंसे लोगों को बचाने का मौका तक नहीं मिला। बडी मशक्कत के साथ फायरब्रिगेड की टीम ग्रामीणो की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया। भीषण आग में हुई दर्दनाक मौतों की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी रमेश रंजन और एसपी धवल जायसवाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। इस ह्दर विदारक घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख व्यक्त करते हुए मृतको के परिजनों को चार–चार लाख रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की। घटना की कहानी ग्रामीणों की जुबानी–––ग्रामीणों की माने तो गाँव के बाजार टोला निवासी महेश चौहान के घर दोपहर करीब एक बजे मिट्टी के चूल्हे पर लकड़ी की आग पर मछली बनायी जा रही थी।

मेरे परिवार का ध्यान रखना, दोस्तों को भेजा आडियो, प्रेमिका के पिता ने पीटा तो फंदे पर लटका किशोर

मेरठ। प्रेमिका के पिता द्वारा की गई पिटाई से आहत नाबालिग ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्वजन ने तहरीर दे दी है, जबकि आरोपित पक्ष घर पर ताला लगाकर फरार है। जान देने से पहले नाबालिग ने दोस्तों को आडियो भी भेजी थी। लिसाड़ी गेट थानाक्षेत्र के तारापुरी जाटों वाली गली निवासी नसीम ई–रिक्शा चलाते हैं। किशोरी से लंबे समय से चल रहा था प्रेम प्रसंग उनके 15 वर्षीय बेटे साहिल का क्षेत्र की ही एक किशोरी से प्रेम–प्रसंग चल रहा है। इसकी जानकारी होने पर शनिवार को किशोरी के पिता और एक रिश्तेदार ने साहिल के घर पहुंचकर उसकी पिटाई कर दी थी। साहिल का मोबाइल लेकर उसमें से बेटी के फोटो और बातचीत की रिकार्डिंग भी डिलीट कर दी थी। साहिल की मां रेशमा का आरोप है कि बेटे को धमकी भी दी थी, जिसके बाद से वह परेशान था। रविवार को नसीम ई–रिक्शा चलाने गया था, जबकि रेशमा दवाई लेने गई थीं। दोपहर घर में साहिल और उसके छोटे भाई–बहन थे। फंदे पर लटका था साहिल पहली मंजिल पर बने कमरे में पहुंचकर साहिल ने छोटे भाई कल्लू से बाहर जाने को कहा। काफी देर तक जब साहिल कमरे से बाहर नहीं निकला तो कल्लू ने खिड़की से झांककर देखा तो साहिल फंदे पर लटका था। उसने शोर मचा दिया, जिस पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। सूचना पर नसीम, रेशमा और पुलिसकर्मी भी पहुंच गए। कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुस्साए लोगों ने हंगामा कर दिया, जिसके बाद किशोरी के स्वजन घर पर ताला लगाकर फरार हो गए।

दोस्तों को भेजी थी आडियो सीओ ने बताया कि किशोर ने फंदा लगाकर जान दी है। उसके स्वजन ने तहरीर दी है। मामले की जांच की जा रही है। दोस्तों से कहा, परिवार का ध्यान रखना घटना के बाद साहिल के दोस्त घर पहुंचे और बताया कि उसने कुछ देर पहले ही एक आडियो भेजी थी। उसमें कहा था कि वह जा रहा है, उसके परिवार का ध्यान रखना। उन्हें परेशान नहीं होने देना। दोस्तों ने आडियो स्वजन और पुलिस को सौंप दी है।

कंकरखेड़ा से संदिग्ध परिस्थितियों में आर्मी का जवान लापता, परिजनों का रोकर बुरा हाल

मेरठ। मेरठ के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र से ड्यूटी पर जाने के दौरान आर्मी का एक जवान रविवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। वहीं लापता जवान सुबह घर नहीं पहुंचा। जिसके बाद परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने यूनिब् में फोन कर जवान की जानकारी ली।

जिस पर अधिकारियों ने बताया कि जवान रात में ड्यूटी पर नहीं आया था। पीड़ित परिवार का रोकर बुरा हाल है। पीड़ित महिला ने सोमवार शाम थाने पर जवान की गुमशुदगी दर्ज कराई।

राजनीति मेरा पेशा नहीं सेवा धर्म है: गणेश केसरवानी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । भारतीय जनता पार्टी के नगर निगम महापौर के प्रत्याशी गणेश केसरवानी ने जनता के बीच में जाकर जन संपर्क कि आप जगह जगह पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राम भवन में व्यापारियों के समर्थन में आयोजित बैठक पर उन्होंने कहा कि मैं जिस पार्टी का कार्यकर्ता हूं उस पार्टी के कार्यकर्ता अपना जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा के प्रति समर्पित करता है। इसीलिए मेरा पूरा जीवन समाज के कार्यों के प्रति और आपकी सेवा के लिए समर्पित रहा है। क्योंकि राजनीति मेरा पेशा नहीं सेवा धर्म है और इस सेवा धर्म को और अच्छे से निभा सकूं आपका आशीर्वाद चाहिए। इसके अलावा मुट्ठीगंज में जायसवाल समाज के द्वारा आयोजित बैठक में कहा कि जायसवाल समाज राष्ट्र और समाज के विकास के लिए हमेशा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपना समर्थन करता रहा है और जायसवाल समाज के विकास के लिए मैं सदा प्रयत्न रहूंगा। इस अवसर पर उन्होंने मुट्ठीगंज, रामभवन , बहादुरगंज, बांसमंडी, लूकरगंज, खुल्दाबाद, कीडगंज नई बस्ती, चंद्रशेखर आजाद पार्क, मदन मोहन मालवीय पार्क कीडगंज, मीरापुर ,करेला बाग, शास्त्री नगर, आदि स्थानों पर जनसंपर्क किया। इस अवसर पर पार्षद किरन जायसवाल, पदुम जायसवाल, जायसवाल समाज के अध्यक्ष अजितेश जायसवाल, राजू वैश्य, विजय वैश्य, मोनू गुप्ता, दिनेश विश्वकर्मा, अजय अग्रहरि, विजय पुर्शवानी, वरुण केसरवानी आलोक वैश्य, पार्षद अमन बलेचा, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, श्याम प्रकाश पांडे, धीरज केसरवानी, पार्षद प्रत्याशी नीरज कुमार केसरवानी, नीरज गुप्ता, विजय वैश्य, अभिलाष केसरवानी, विजय गौड़, एवं सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अपर जिला जज ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला कारागार का अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार बरनवाल ने निरीक्षण किया एवं बन्दियों को विधिक रूप से जागरूक किया। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक रमाकान्त ने अवगत कराया गया कि जिला कारागार में 1109 बन्दी निरूद्ध है जिसमें 913 विचाराधीन बन्दी है। इसमें महिला 28 तथा 838 पुरूष एवं किशोर (18 से 21 वर्ष आयु समूह) बन्दियों की संख्या 47 है। सिद्धदोष बन्दियों की संख्या 186 बतायी गयी जिसमें 04 महिला बन्दी व 182 पुरूष बन्दी शामिल है। जेल में निरूद्ध महिला बन्दियों के साथ कुल 06 बच्चे रह रहे है जिसमें 03 बच्चे पढ़ाई के लिये स्कूल जाते है। सचिव द्वारा जिला कारागार में स्थित महिला बैरक, पाकशाला, जेल अस्पताल, लीगल एण्ड क्लीनिक एवं वीडियो कान्फ्रेसिंग रूम सहित जेल परिसर की साफ–सफाई, महिला बन्दियों की तलाशी रूम का निरीक्षण किया गया। प्रत्येक बैरिक में मनोरंजन के लिये टी0वी0 लगी है जो चालू हालत में बतायी गयी। इस अवसर पर जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि जिन बन्दियों को अपने मुकदमें की पैरवी हेतु निःशुल्क पैनल अधिवक्ता की आवश्यकता है उनके आवेदन पत्र लिखित रूप में प्राप्त करके उनके आवेदन पत्र रजिस्टर में अंकित करके जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराये जिससे बन्दियों को उनके मुकदमें की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर सचिव द्वारा जिला कारागार में निरूद्ध बन्दियों को उनके अधिकारों एवं प्लीबारगेनिंग के सम्बन्ध में विधिक जानकारी देते हुये जागरूक किया गया। इस अवसर पर जेल विजिटर विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी एडवोकेट द्वारा किशोर बन्दियों को उनके विधिक अधिकारों एवं प्लीबारगेनिंग तथा जमानत के सम्बन्ध में विधिक जानकारी देते हुये जागरूक किया गया। उन्होने बताया कि शासन द्वारा लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल पद पर 04 अधिवक्ताओं की नियुक्ति राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार की गई है, जिन बन्दियों के पास मुकदमें की पैरवी हेतु अधिवक्ता नही है उन बन्दियों के मुकदमों की पैरवी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के पद पर चयनित अधिवक्ताओं द्वारा की जायेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।